

अख़बद भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज

रविवार 02 अप्रैल 2023

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

शिवपुर हिंसा की जांच करेगी सीआईडी, इंटरनेट सेवा बंद, 48 गिरफ्तार

बिहार-बंगाल में हालात तनावपूर्ण

हावड़ा। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से सटे हावड़ा जिला के शिवपुर में रामनवमी पर हुई हिंसा की जांच सीआईडी करेगी। अब तक हिंसा की जांच शिवपुर थाना के अधिकारी कर रहे थे। जांच में सीआईडी के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप समेत कई ब्रांच शामिल होंगी। इसमें डीआईजी रैंक के अधिकारी होंगे। इस बीच तनावपूर्ण स्थिति के मद्देनजर हावड़ा के कुछ इलाकों में शनिवार दोपहर दो बजे तक के लिए इंटरनेट सेवा को भी बंद कर दिया गया है। इलाके में धारा 144 लागू कर दी गई है। पुलिस लगातार गश्त कर रही है। अब तक इस मामले में 48 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। हावड़ा के शिवपुर से सटे कई इलाकों में गुरुवार को हुई हिंसा के बाद लोग दहशत में हैं। धीरे-धीरे स्थिति सामान्य हो रही है। आज सुबह सात बजे पुलिस अत्युक्त प्रवीण त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस बल ने क्षेत्र का दौरा किया और स्थानीय निवासियों से बात की। पुलिस ने लोगों को आशवासन दिया कि सब कुछ सामान्य हो जाएगा। लोगों ने पुलिस के आशवासन के बावजूद उनके खिलाफ विरोध जताया। इस घटना पर राजनीति भी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तुणुपल सांसद अभिषेक बनर्जी हिंसा के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। भाजपा एनआईए से जांच कराने की मांग कर रही है। नेता प्रतिपक्ष सुभेदु अधिकारी ने संबंधित मंत्री से इस्तीफा की मांग की है। कलकत्ता उच्च न्यायालय में जन्हित याचिका दाखल की गई है। इस पर सोमवार को सुनवाई होगी। अब झारखंड में भयंकर हिंसा: रामनवमी जुलूस के दौरान जमकर हुई पथरबाजी:



ममता बनर्जी का बीजेपी पर आरोप

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रामनवमी में हुई हिंसा के लिए सीधे तौर पर भाजपा को जिम्मेदार ठहराया है। वहीं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राज्यपाल सीवी आनंद बोस व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकान्त मजुमदार को फोन कर हालात की जानकारी ली।

इस घटना की एनआईए व सीबीआई से रामनवमी पर हुई हिंसा की जांच बंगाल और बिहार के बाद अब झारखंड तक पहुंच गई है। जमकर पथराव और फायरिंग हुई। दुकानों और वाहनों में आग लगा दी गई। तीनों ही शहर में तनाव की स्थिति पैदा हो गई है। बिहार और बंगाल में हिंसा: बिहार में बिहारशरीफ और सासाराम में जमकर पथराव और फायरिंग हुई। इसमें सात लोगों के घायल

जांच की मांग को लेकर नेता प्रतिपक्ष व भाजपा विधायक सुवेदु अधिकारी ने कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उनकी याचिका स्वीकार कर ली गई है। 3 अप्रैल को इस पर सुनवाई है। सुवेदु ने पुलिस को हिंसा में शामिल लोगों की सीडी भी सौंपी है और कार्रवाई की मांग की है।

होने की खबर है। वहीं, सासाराम में निकाली गई शोभायात्रा के दूसरे दिन भी जमकर हिंसा हुई। लोगों ने दुकानों और वाहनों में आग लगा दी। बिहार के अलावा बंगाल में भी हिंसा की कई तस्वीरें देखने को मिली। हावड़ा के शिवपुर थाने के कांजीगाड़ा इलाके में 31 मार्च की दोपहर जुमे की नमाज के बाद हिंसा भड़क उठी। मुस्लिम बहुल इलाके में

सरकार अलर्ट मोड में है: नीतीश

पटना: बिहार के सासाराम और नालंदा में रामनवमी के बाद हुई हिंसा की घटनाओं पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को कहा कि सरकार अलर्ट मोड में है। अधिकारी नजर बनाए हुए हैं। गड़बड़ करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि 'ये लॉ एंड ऑर्डर का नहीं, बल्कि आपस का मामला है', गड़बड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने दोनों जिलों की हिंसात्मक वारदात के पीछे साजिश होने की बात करते हुए कहा कि पुलिस को पता लगाने के निर्देश दिए गए हैं कि इसके पीछे कौन लोग हैं जो यह सब करा रहे हैं। सासाराम की घटना के बाद शुक्रवार शाम छह बजे बिहारशरीफ में हिंसा की घटना का पता चला। तुरंत पुलिस ने आला अधिकारियों के साथ वहां स्थिति को नियंत्रित किया। उन्होंने कहा कि हिंसात्मक वारदात कराने वाले लोगों का पता लगाकर पुलिस उनके खिलाफ जरूर कार्रवाई करेगी। ऐसे किसी व्यक्ति को नहीं छोड़ा जाएगा जो इन घटनाओं में शामिल रहा हो। दोनों जिलों में हुई हिंसा की घटनाओं के बाद बड़े धारा 144 लागू है। साथ ही इंटरनेट भी बंद कर दिया है। उल्लेखनीय है कि नालंदा के बिहारशरीफ के गगन दीवान मोहल्ले में शोभायात्रा में शामिल कुछ लोग कब्रिस्तान के ऊपर से चढ़ कर जाने लगे। इस दौरान एक पक्ष की ओर से गाली-गलौच होने लगी। फिर पथराव और आगजनी शुरू हो गई। इसके बाद नालंदा और सासाराम में इंटरनेट बंद कर दिया गया। सासाराम में भी शुक्रवार को शोभायात्रा के दौरान दो पक्ष आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों में हिंसक झड़प हुई।

एमपी को पहली वंदे भारत ट्रेन की सौगात

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भोपाल में रानी कमलापति-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव सहित अन्य उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि वंदे भारत ट्रेनों में 100 फीसदी ऑक्सीजनी रहती है। वे तकनीकी रूप से उन्नत, स्वच्छ और समय पर हैं। टिकटों की कालाबाजारी का भी कोई मामला सामने नहीं आया है।



इससे मध्य प्रदेश से दिल्ली का सफर और आसान हो जाएगा। रेलवे के इतिहास में कभी बहुत कम ही ऐसा हुआ होगा कि एक ही स्टेशन पर किसी प्रधानमंत्री का इतने कम समय अंतराल में दोबारा

आना हुआ होगा। आधुनिक भारत में नई व्यवस्थाएं, नई सुविधाएं बन रही हैं। इस ट्रेन में यात्री के रूप में जो बच्चे जा रहे थे उन्होंने इस ट्रेन में सफर करने की अपनी उत्सुकता जाहिर की।

जेडीएस के पूर्व विधायक एटी रामास्वामी भाजपा में शामिल

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले शनिवार को जनता दल (सेक्युलर) को एक और झटका लगा है। हासन जिले के अरकलगुडा से चार बार विधायक रहे एटी रामास्वामी शनिवार को भाजपा में शामिल हो गए। रामास्वामी ने केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा नेता अनुराग ठाकुर की उपस्थिति में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इसके बाद रामास्वामी ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से उनके आवास पर मुलाकात की।

सीएम योगी ने शारदा अभियान की शुरुआत की



लखनऊ: स्कूल चलो अभियान के माध्यम से छह वर्ष में प्रदेश सरकार ने 1.92 करोड़ छात्र-छात्राओं का नामांकन कराया है। योगी सरकार ने एक अप्रैल से 'शारदा' अभियान (स्कूल हर दिन आएँ) की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत जो बच्चे किन्हीं कारणों से स्कूल छोड़ गए हैं या कभी स्कूल गए ही नहीं हैं, उन्हें वापस स्कूल लाया जाएगा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर किया जाए। अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अंतर्गत यह प्रावधान है कि 6-14 आयु वर्ग के ऐसे बच्चे जो आउट ऑफ स्कूल हैं उनका चिह्निकरण करते हुए उनका नामांकन आयुसंगत कक्षा में कराया जाए और उन बच्चों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने की व्यवस्था की जाए। इस प्रावधान

को प्रभावी रूप में क्रियान्वित करने के लिए समय-समय पर जिलाधिकारी के निर्देशन में कार्यक्रम 'शारदा' संचालित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। महानिदेशक स्कूल शिक्षा विजय किरण आनंद की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि 'शारदा' (स्कूल हर दिन आएँ) कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद के समस्त आउट ऑफ स्कूल बच्चों को वापस दाखिले का प्रावधान है। आउट ऑफ स्कूल बच्चे 02 श्रेणी के हो सकते हैं। पहले ऐसे बच्चे जिनका विद्यालय में कभी भी नामांकन नहीं किया गया हो। दूसरे ऐसे बच्चे जिनका विद्यालय में पूर्व में नामांकन हुआ था, लेकिन किन्हीं कारणवश अपनी शिक्षा पूरी किए बिना विद्यालय छोड़ गया। शैक्षिक सत्र 2023-24 में यह अभियान दो चरणों में संचालित किया जाएगा।

पूर्वोत्तर के उग्रवादी संगठन मुख्यधारा में हो शामिल: शाह



आइजोल: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पूर्वोत्तर के बाकी सक्रिय उग्रवादी संगठनों से मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की। आइजोल में 2,414 करोड़ रुपये की 11 परियोजनाओं का वचुअल उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मिजोरम में शांति की स्थापना भारतीय लोकतंत्र की जीत का उदाहरण है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, "मैं पूर्वोत्तर में कुछ शेष सक्रिय उग्रवादी संगठनों से मुख्यधारा में लौटने, लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बनने और क्षेत्र तथा देश के विकास में योगदान देने की अपील करता हूँ।" उन्होंने कहा, "विद्रोह का सामना करने वाले मिजोरम में शांति स्थापित हो गई है। यह भारत के लोकतंत्र की जीत का एक अभूतपूर्व उदाहरण है।"

मुख्यालय परिसर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर राज्य उग्रवाद, रेल, सड़क और हवाई संपर्क की कमी से जुझ रहा था और 2014 में जब केंद्र में मोदी सरकार आई, तब यहाँ विकास का कोई नामोनिशान नहीं था। शाह ने कहा, "पिछले नौ वर्षों में, हम पूर्वोत्तर में शांति लाने में सफल रहे हैं, कनेक्टिविटी में सुधार किया है और इस क्षेत्र को विकास के मामले में देश के अन्य हिस्सों के बराबर लाया है।" 2025 तक केन्द्र सरकार पूर्वोत्तर राज्यों में लाएगी कई बदलाव: केंद्र को पूर्वोत्तर के विकास के लिए समर्पित बताते हुए उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने इस क्षेत्र के लिए बजट आवंटन में 276 प्रतिशत की वृद्धि की है। उन्होंने कहा, "केंद्र सरकार 2025 तक 1,76,000 करोड़ रुपये के परियोजना के साथ सभी आठ राज्यों की राजधानी को रेल, सड़क और हवाई संपर्क से जोड़ने की दिशा में काम कर रही है।"

पिछले नौ वर्षों में पूर्वोत्तर राज्यों में हुआ विकास: शाह ने राज्य में नए असम राइफल्स बटालियन

कानूनी अधिकार के बिना किसी को नहीं होनी चाहिए कैद की सजा: सुप्रीम कोर्ट 'राज्य को सौंपा गया अपराध रोकने का काम'

नई दिल्ली: कानूनी अधिकार के बिना किसी को कैद की सजा नहीं होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी तब आई जब कानूनी प्रश्न की जांच कर रहा था कि क्या सीआरपीसी की धारा 167 (2) के प्रावधान (ए) में अपेक्षित 60/90 दिन की अवधि की गणना करते समय डिफॉल्ट जमानत के दावे पर विचार करने के लिए रिमांड की तारीख को शामिल या बाहर रखा जाना चाहिए। सीआरपीसी की धारा 167 के अनुसार, अगर जांच एजेंसी रिमांड की तारीख से 60



दिनों के भीतर आरोप पत्र दाखिल करने में विफल रहती है, तो एक आरोपी डिफॉल्ट जमानत का

हकदार होगा। हालांकि, कुछ श्रेणी के अपराधों के लिए निर्धारित अवधि को 90 दिनों तक बढ़ाया जा

सकता है। न्यायमूर्ति के एम जोसेफ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि सीआरपीसी की धारा 167 निर्धारित 60/90 दिन की रिमांड अवधि की गणना उस तारीख से की जानी चाहिए जब एक मजिस्ट्रेट रिमांड को अधिकृत करता है। पीठ ने कहा कि यह अत्यंत सचेत है कि कानूनी अधिकार के बिना किसी को भी कैद की सजा नहीं होनी चाहिए। हालांकि, राज्य को अपराध को रोकने और सुरक्षा बनाए रखने का काम सौंपा गया है, व्यक्तिगत स्वतंत्रता संपादिक नहीं होनी चाहिए।

दो दिवसीय भारत दौरे पर होंगे भूटान नरेश

नई दिल्ली। भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक 3 से 5 अप्रैल तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। उनके साथ विदेश और विदेश व्यापार मंत्री डॉ. टंडी दोरजी और भूटान की शाही सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी आएंगे। अपनी यात्रा के दौरान वे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी से मुलाकात करेंगे। इस बात की जानकारी विदेश मंत्रालय की ओर से दी गई है। दोनों देशों की संधि में 2007 में किया गया था संशोधन: भारत-भूटान द्विपक्षीय संबंधों का मूल ढांचा दोनों देशों के बीच 1949 में

हस्ताक्षरित मैत्री और सहयोग की संधि थी। इसने दोनों देशों के बीच एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने का आह्वान है। सन् 2007 में संधि को संशोधित किया गया था। हालांकि, भूटान भारत को अपनी विदेश नीति का मार्गदर्शन करने देने के लिए सहमत हो गया था। आपको बता दें कि 1968 में थिम्पू में भारत के एक विशेष कार्यालय की स्थापना के साथ दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित किए गए थे। भारत और भूटान के बीच सुरक्षा, सीमा प्रबंधन, व्यापार, परागमन, आर्थिक, जल विद्युत, विकास सहयोग, जल संसाधन आदि।

जेल से बाहर आए नवजोत सिद्ध 317 दिन बाद पटियाला जेल से रिहाई; रोडरेज केस में एक साल की कैद हुई

पटियाला: पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रधान व पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्ध पटियाला जेल से रिहा हो गए हैं। सिद्ध 317 दिन बाद पटियाला सेंट्रल जेल से बाहर आए हैं। उन्होंने पटियाला में हुए रोडरेज केस में एक साल की कैद काटी। सिद्ध के बाहर निकलने पर समर्थकों ने पूरे जोश से उनका स्वागत किया। रिहाई में होती रही देरी: इससे पहले सिद्ध की रिहाई में देरी होती रही। पहले उनकी रिहाई सुबह 11 बजे और फिर 3 बजे कही गई लेकिन वह अब करीब 6 बजे रिहा हो रहे हैं। उनके बेटे करण सिद्ध ने आरोप लगाया था कि कागजी कार्रवाई के नाम पर उन्हें बेवजह



परेशान किया जा रहा है। सुबह से कई बार एक घंटे में रिहाई की बात कही जा चुकी है। समर्थकों की भीड़ ज्यादा होने की वजह से रिहाई में देरी की जा रही है। पूर्व विधायक नवजोत चोपा ने कहा कि राज्य सरकार जानबूझ कर उन्हें रिलीज

करने में देरी कर रही है। पटियाला पहुंचे नेशनल कांग्रेस के पूर्व स्पोक्सपर्सन गौतम सेठ ने बताया कि कांग्रेस नेता के वी वेणुगोपाल ने राज्य स्तरीय कार्यक्रमों को रद्द करने के लिए कहा है। उन्होंने सभी कांग्रेसी नेताओं को नवजोत सिंह

सिद्ध के स्वागत में पटियाला जेल पहुंचने के आदेश दिए हैं। सजा के दौरान कोई छुट्टी न लेने का नवजोत सिंह सिद्ध को यह बर्निफिट मिल रहा है और वह 19 मई से 48 दिन पहले रिहा हो रहे हैं। सिद्ध के टिक्टर पेज पर शुक्रवार को इसकी जानकारी दी गई। ट्वीट में लिखा था कि वरिष्ठ अधिकारियों ने रिहाई की सूचना दी है। नवजोत सिंह सिद्ध को रिसीव करने के लिए इस बार कोई बड़ा ताम-झाम आयोजित नहीं किया जा रहा। वहीं पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वर्डिंग ने भी उन्हें रिसीव करने के लिए जाने से मना कर दिया है।

विदेश में आसानी से नौकरी पा सकेंगे गांव-कस्बों के युवा केंद्र बनाने जा रही 30 स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर

नई दिल्ली। बहुत से देशों में मानव श्रम की आवश्यकता बढ़ती जा रही है और गांव-कस्बों के युवा वहां किसी न किसी माध्यम से रोजगार के लिए पलायन भी कर रहे हैं। मगर, यू विदेश पहुंचने वाले छोटे कामगारों के उत्पीड़न की शिकायतें भी आती रहती हैं। इसे देखते हुए केंद्र सरकार ने तय किया है कि रोजगार के लिए दूसरे देशों में जाने वाले युवाओं को सामाजिक सुरक्षा भी दिलाई जाएगी। 16 देशों के साथ समझौता-कारार कर चुका कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय दौलावासों के माध्यम से वहां के नियोजकों को अपने साथ जोड़ रहा है और देशभर में 30 स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर



खोले जा रहे हैं, जो गांव-कस्बों के युवाओं को कौशल, प्रशिक्षण, व्यक्तित्व विकास,



वीजा से लेकर अच्छा वेतन तक दिलाना सुनिश्चित करेंगे। सरकार ने इसी वर्ष बजट में

30 स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर खोलने की घोषणा की है। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय ने इस केंद्रों को स्थापित करने सहित पहल रूपरेखा भी बना ली है कि यह केंद्र किस तरह से प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के चौथे चरण को अधिक प्रभावी और परिणामदायी बना सकते हैं। मंत्रालय के सचिव अतुल कुमार तिवारी ने बताया कि इन केंद्रों को स्थापित करने की प्रक्रिया पर काम तेज हो गया है। इनका काम युवाओं को विदेश में नौकरी दिलाने की होगी। भारतीय युवाओं के लिए रोजगार की अधिक संभावनाओं वाले 16 देशों के साथ मंत्रालय का समझौता है।

भाजपा निकाय चुनाव में हार रही है : अखिलेश

कानपुर देहात। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पूर्व प्रदेश सचिव स्वर्गीय सुखदेव पाल (मुन्ना पाल) की मूर्ति का अनावरण करने के कार्यक्रम में शनिवार को जनपद पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में सरकार की नीतियों और उनकी कार्रवाई पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि भाजपा निकाय चुनाव में हार रही है, फिर चाहे वो प्रशासन की कोई भी ताकत लगा ले। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वयं झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया था। इसके बाद भी ना तो नगरी निकाय क्षेत्रों में स्वच्छता



का स्तर बदला है और ना ही सरकार की नियत साफ हुई है। हाउस टैक्स, पानी का टैक्स की बार लोगों पर पड़ रही है। बावजूद इसके सरकार ने लोगों को ना तो

कोई सुध ली और ना ही कोई राहत दी है। आवाजा मवेशियों पर भी अखिलेश ने सरकार को घेरते हुए कहा कि जैसे मैंने लायन सफारी बनाई थी।

खबर संक्षेप

शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता

प्रयागराज। ब्लाक फूलपुर में शिक्षकों के विदाई समारोह में यह बात खण्ड शिक्षा अधिकारी फूलपुर विश्वनाथ प्रजापति ने कहे हुए नई जिम्मेदारी का बोध कराते हुए आगे के सुखमय जीवन की शुभकामनाएं दीं। शैक्षिक सत्र के अंतिम दिन परिषदीय विद्यालयों में समारोह का दौर रहा, कहीं अंकपत्रों का वितरण समारोह पूर्वक हुआ तो कहीं बच्चों की विदाई समारोह पूर्वक सम्पन्न हुई तो कहीं भावभीनी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। ऐसे में प्राथमिक विद्यालय बेलवा के प्रधानाध्यापक राजीव शुक्ला की सेवानिवृत्त समारोह पूर्वक सम्पन्न हुई तो वहीं पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के ब्लाक अध्यक्ष एवं ब्लाक व्यायाम शिक्षक उमापति पाण्डेय का भी विदाई समारोह सम्पन्न हुआ। विदाई समारोह में विद्यालय के अध्यक्षों के सहयोग से सेवानिवृत्त हो रहे शिक्षकों की भावभीनी विदाई की गई जिसमें ब्लाक के सभी शिक्षक एवं शिक्षक संघ की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। ब्लाक फूलपुर से कुल साठ शिक्षक सेवानिवृत्त हुए हैं जिसमें उपरोक्त के अतिरिक्त संविलियन विद्यालय खोजपुर से सुभाष यादव, संविलियन विद्यालय बसोधा से दीनानाथ यादव, प्राथमिक विद्यालय दयालपुर से अशोकधर दुबे, उच्च प्राथमिक विद्यालय रुद्रपुर से शोभा श्रीवास्तव, उच्च प्राथमिक विद्यालय नरई से माला चौबे सेवानिवृत्त हुई हैं।

तूफानी बारिश से दीवार ढही, किशोर की मौत

बुवाई-कटाई के सीजन में बरसात ने बढ़ाई किसानों की मुश्किलें



अखंड भारत संदेश

तहसीलदार बारा और एसओ मनोज कुमार शंकरगढ़। बेमौसम हो रही बरसात ने न सिर्फ फसल का नुकसान पहुंचाया है, बल्कि एक किशोर की जान भी इसी तूफानी बरसात की वजह से चली गई। क्षेत्र के नौद्विा उपरहार में शुक्रवार की शाम को तेज हवा के साथ हुई बरसात के दौरान एक कच्चा मकान गिर गया, जिसके मलबे में दबने से एक किशोर की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही

तहसीलदार बारा और एसओ मनोज कुमार शंकरगढ़। बेमौसम हो रही बरसात ने न सिर्फ फसल का नुकसान पहुंचाया है, बल्कि एक किशोर की जान भी इसी तूफानी बरसात की वजह से चली गई। क्षेत्र के नौद्विा उपरहार में शुक्रवार की शाम को तेज हवा के साथ हुई बरसात के दौरान एक कच्चा मकान गिर गया, जिसके मलबे में दबने से एक किशोर की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही



उपरहार गांव के रामबालक सेन का कच्चा घर भरभरा कर गिर गया। जिससे घर के अंदर बैठा उसका किशोरवय बेटा प्रहलाद सेन (17) दीवार के मलबे के नीचे दब गया। हादसे के बाद मौके पर जुटे स्थानीय लोगों की मदद से प्रहलाद सेन को बाहर निकाला और उसे शंकरगढ़ के एक निजी नर्सिंग होम में लेकर आए। जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने प्रयागराज के लिए रेफर कर दिया।

रात्रि में इलाज के दौरान स्वरूपरानी अस्पताल में प्रहलाद की मौत हो गई। प्रहलाद की मौत से उसके घर में कोहराम मच गया। सुबह लोगों द्वारा जानकारी मिलने पर शंकरगढ़ एसओ मनोज कुमार सिंह और तहसीलदार बारा घटनास्थल पर जाकर मौका मुआयना किया तथा परिजनों को शासन द्वारा देवीय आपदा राहत कोष से सहायता राशि दिलाने का आश्वासन दिया।



ओलावृष्टि एवं अतिवृष्टि से फसलों के नुकसान संबंधी आयोजित की गई समीक्षा बैठक

पसना। बे मौसम बरसात एवं ओलावृष्टि की मार से बेहाल कोरांव तहसील के किसानों की फसलों के नुकसान के आकलन हेतु माननीय सांसद रीता जोशी की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन शनिवार को तहसील सभागार में किया गया। बैठक में उपस्थित प्रभावित गांवों के किसानों एवं प्रधान गणों को सांसद महोदया ने आश्वासन दिया कि भाजपा सरकार हर मुश्किल घड़ी में आपके साथ खड़ी है, किसी भी किसान के साथ अन्याय नहीं होगा नुकसान का जो भी आकलन होगा उसका मुआवजा निश्चित तौर पर किसानों को मिलेगा। बैठक में मौजूद विधायक राजमणि कोल ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देशित किया कि नुकसान के आकलन में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी, प्रभावित गांव के किसानों को मुआवजे का लाभ सरकार की ओर से अति शीघ्र मिलेगा। बैठक में किसानों की ओर से बोलते हुए भारतीय किसान संघ के प्रांत मंत्री भोला सिंह मुन्ना ने उपस्थित सांसद विधायक एवं अधिकारियों से मांग की कि प्रभावित गांव के सभी किसानों को आपदा राहत फसल बीमा योजना एवं किसान क्रेडिट कार्ड का लाभ अवश्य मिले। बैठक में उप जिलाधिकारी कोरांव शुभम यादव, तहसीलदार अनिल कुमार वर्मा, खंड विकास अधिकारी मुकेश कुमार, ब्लॉक प्रमुख मुकेश कोल एवं रामेश्वर द्विवेदी, अजीत प्रताप सिंह, जलसीदास राणा, राजेश्वरी तिवारी, रामाश्रय शुक्ला, संजय सिंह, धीरज सागर आदि उपस्थित रहे।

ढोल नगाड़ों के साथ निकाली गई स्कूल चलो एवं संचारी रोग रोकथाम रैली

अखंड भारत संदेश

कोरांव। शत प्रतिशत बच्चों का स्कूलों में नामांकन कराये जाने को लेकर अभिभावकों को शिक्षा के प्रति जागरूक किए जाने हेतु शनिवार को ब्लाक संसाधन केन्द्र कोरांव से खण्ड शिक्षाधिकारी मोहम्मद रिजवान खान के नेतृत्व में ब्लाक स्तरीय स्कूल चलो अभियान तथा संचारी रोग रोकथाम के लिए जन जागरूकता रैली निकाली गई जहां पर बतौर मुख्य अतिथि इलाकाई भाजपा विधायक राजमणि कोल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लाक प्रमुख कोरांव मुकेश कुमार कोल एवं खण्ड विकास अधिकारी मुकेश कुमार उरुड अशिक्षक डा० उमेश कुमार मौजूद रहे। मां सरस्वती की पूजा अर्चना के बाद सर्व प्रथम उच्च प्राथमिक विद्यालय कोरांव के बच्चों को मुख्य अतिथि विधायक राजमणि के हाथों निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों का

बीआरसी स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय कोरांव के बच्चों को विधायक ने बांटी निःशुल्क पुस्तकें



वितरण किया गया और बच्चों को नियमित रूप से स्कूल पहुंचकर पढ़ने हेतु प्रेरित किया गया। पुस्तक वितरण के बाद ढोल नगाड़ों के साथ बीआरसी कोरांव से स्कूल चलो अभियान रैली का आगाज हुआ जो नगर पंचायत कोरांव के मुख्य मार्गों के अलावा गलियों में घूम घूमकर

के शत प्रतिशत बच्चों का स्कूलों में नामांकन किया जाना है। यदि एक भी बच्चा छूट गया तो समझो कि हम सबका संकल्प टूट गया और सरकार की मंशा विफल हो गई। कार्यक्रम को उक्त के अलावा ब्लाक प्रमुख कोरांव मुकेश कुमार कोल एवं खण्ड विकास अधिकारी मुकेश कुमार सहित कई अन्य लोगों द्वारा संबोधित किया गया। समापन अवसर पर दायित्वों के प्रति सजग एवं कर्मठ खण्ड शिक्षाधिकारी कोरांव मोहम्मद रिजवान खान ने आए हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उक्त के अलावा मुख्यमंत्री फेलोशिप से सपना सिंह, समस्त ए०आर०पी०, पूर्व अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ धर्मेश सिंह, वर्तमान अध्यक्ष महेंद्र सिंह, जिलाध्यक्ष अनुदेशक संघ भोला नाथ पाण्डेय गणेश शंकर तिवारी सहित तमाम शिक्षक शिक्षिकाएं एवं बच्चे मौजूद रहे।

संविलियन विद्यालय पसना के बच्चों ने निकाली स्कूल चलो अभियान की रैली



अखंड भारत संदेश

पसना। बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित प्राथमिक एवम माध्यमिक विद्यालयों में नए शिक्षा सत्र में बच्चों के दाखिलों को लेकर स्कूल चलो अभियान के तहत कम्पोजिट विद्यालय के बच्चों ने प्रधानाध्यापक संजय कुमार पटेल के नेतृत्व में एक पसना में एक रैली निकाली। विद्यालय से

शुरू हुई रैली पूरे गांव का चक्रण करती हुई विद्यालय पर समाप्त हुई रैली में बच्चों द्वारा हाथों में शिक्षा जागरूकता संबंधी पोस्टर व बैनर लेकर अपने अभिभावकों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए नारे लगाते चल रहे थे। रैली में एनएसएम नेहा सिंह, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, भारी तादात में ग्रामीण व विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

सच्चे मन से की गई ईश्वर की उपासना का फल अवश्य मिलता है : सुश्री प्रज्ञा



जंघई। श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन राचनपुर बघेड़ी गांव में मुख्य यजमान उर्मिला देवी एवं रामधर शुक्ल के निवास उर्मिला कुंज प्रांगण में शनिवार को कथा व्यास सुश्री प्रज्ञा जी वृंदावन धाम ने धुंधकारी, गोपगं प्रसंग, परीक्षित जन्म व ध्रुव चरित्र का बखान करते हुए कहा कि सच्चे मन से की गई ईश्वर की उपासना का फल अवश्य मिलता है एवं मन की शुद्धि के लिए परमात्मा का सुमिरन करना बहुत जरूरी है जिससे ज्ञान हासिल करके ही धर्म के मार्ग पर जाया जा सकता है। भागवत कथा में ध्रुव-प्रहलाद की भक्ति तथा राजा परीक्षित-कपिल-सती चरित्र का वर्णन किया गया। संगीतमय भाववत कथा ज्ञान महायज्ञ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। कथा वाचिका ने कहा कि मनुष्य को अपनी कथनी व करनी में फर्क नहीं रखना चाहिए ईश्वर सत्य व ईमानदारी से काम करने वालों की रक्षा करते हैं। उन्होंने ध्रुव, प्रहलाद की भक्ति तथा राजा परीक्षित, कपिल, देवाहुति एवं सती चरित्र की कथा का वर्णन किया। कार्यक्रम आयोजक सज्जन शुक्ल शिक्षक, समाजसेवी, बिंदु शुक्ल ने आंगणवाड़ी का स्वागत अभिनंदन किया एवं आरती प्रसाद वितरण करवाया इस अवसर पर मुख्य आचार्य पंडित सुरेश दुबे, हृदय नारायण मिश्रा, मिस्टर मिश्रा, जितेन्द्र दुबे, गोपाल पांडेय, अरुण दुबे, मनीष शुक्ल, राजकुमार शुक्ल, संजय शुक्ल, शिवम शुक्ल, अमन शुक्ल, अंश शुक्ल, अनुभव शुक्ल, अनुराग शुक्ल सहित तमाम भक्तगण मौजूद रहे।

स्कूल चलो अभियान के तहत अभिभावकों संग प्राथमिक विद्यालय के छात्रों ने निकाली रैली

अखंड भारत संदेश

करछना। विकास खंड करछना के प्राथमिक विद्यालय भरहा के छात्रों ने अनिल कुमार तिवारी खंड शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में, ग्राम प्रधान भरहा जगजीवन लाल, रविंद्र कुमार व उमेश कुमार, सदस्य एवं ग्राम के सम्मानित अभिभावकों की उपस्थिति में स्कूल चलो अभियान रैली के तहत कम्पोजिट विद्यालय के बच्चों का सम्मान कार्यक्रम, वार्षिकोत्सव कार्यक्रम, परीक्षा फल घोषणा, कक्षा 5 के समस्त बच्चों का विदाई कार्यक्रम, नवप्रवेश नामांकन कार्यक्रम एवं पुस्तक वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में गाँव के सम्मानित आभिभावक विद्यालय के समस्त स्टाफ श्रीमती अलका गौड़, श्रीमती मोनिका श्रीवास्तव, श्री श्याम बली सिंह, श्री राकेश यादव, श्रीमती नू सिंह उपस्थित रहे। सर्व प्रथम खंड शिक्षा अधिकारी ग्राम प्रधान एवं समिति अध्यक्ष एवं सदस्यों के साथ स्कूल चलो अभियान रैली झंडा दिखाकर गांव में रवाना किया गया 'भ्रमण पश्चात मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ उसके

वार्षिक परीक्षा में प्रथम तीन स्थान प्राप्त कक्षाओं के बच्चों को खंड शिक्षा अधिकारी व ग्राम प्रधान द्वारा पुरस्कृत किया गया साथ ही ब्लॉक के मुखिया द्वारा विद्यालय में 6 बच्चों का नामांकन किया गया



बाद बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई। वार्षिक परीक्षा में प्रथम तीन स्थान प्राप्त समस्त कक्षाओं के बच्चों को खंड शिक्षा अधिकारी, ग्राम प्रधान द्वारा पुरस्कृत किया गया इसके साथ ही ब्लॉक के मुखिया द्वारा विद्यालय में 6 बच्चों का नामांकन उनके कर-कमलों द्वारा किया गया जो कि विद्यालय परिवार के लिए बहुत ही गौरव की बात रही।

इसके साथ ही ब्लॉक के मुखिया द्वारा विद्यालय में 6 बच्चों का नामांकन उनके कर-कमलों द्वारा किया गया जो कि विद्यालय परिवार के लिए बहुत ही गौरव की बात रही।

वारी में कैबिनेट मंत्री नंदी का भाजपाइयों ने किया स्वागत



प्रतापपुर। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी का कोट दक्षिण धनुपुर विद्यालय में कार्यक्रम संपन्न होने के पश्चात मियापुर एवं प्रयागराज वापसी के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने वारी तिराहे पर पुष्प वर्षा एवं माल्यार्पण करते हुए जोरदार स्वागत अभिनंदन किया एवं जोरदार जिंदाबाद के नारे लगाया। अपने स्वागत अभिनंदन से अभिभूत नंदी ने कार्यक्रमताओं से उनकी समस्यनाओं की जानकारी लेते हुए निराकरण का आश्वासन दिया और आगे प्रयागराज की तरफ उनका काफिला बढ़ गया। स्वागत करने वालों में राजीव दुबे मरुचू प्रधान, जितेन्द्र दुबे, महेंद्र सिंह, बबलू सिंह, अंजुन सिंह, मुन्ना दुबे, प्रवीण सिंह, राजा मौर्या, मान सिंह चौहान, दीपक सिंह, आशुतोष सिंह, उमेश, अखिलाल पटेल, सूर्यभान बीडीसी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

भाजपा बूथ कार्यशाला सहसों में संपन्न

अखंड भारत संदेश

सहसों। छत्रपति शिवाजी डिग्री कॉलेज सहसों में शुक्रवार को भाजपा गंगापर बूथ सत्यापन कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मुर्तुज्य तिवारी ने कहा कि इस समय भाजपा संगठन का बूथ स्तरीय सत्यापन का कार्यक्रम चल रहा है जिसमें कार्यकर्ता पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ लगकर कार्य करें। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष गंगापर अश्वनी कुमार द्विवेदी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पन्ना प्रमुख बनाना, सरल ऐप डाउनलोड करना, व्हाट्सएप ग्रुप बनाना आदि सभी कार्य समय से मेहनत व लगन के साथ पूरा कर लेना चाहिए। कार्यशाला में उपस्थित प्रसन्न फूलपुर केसरी देवी पटेल ने निवेदन के साथ कार्यकर्ताओं से कहा कि अपने अपने मंडल से चार ऐसे बूथों का चयन करें जो सबसे अति कमजोर हों जिससे हमारा बूथ सबसे मजबूत बन सके। कार्यशाला कार्यक्रम का समापन करते हुए जिला उपाध्यक्ष भाजपा गंगापर एवं कार्यक्रम के संयोजक अनिरुद्ध सिंह पटेल ने आए हुए अतिथियों तथा कार्यकर्ताओं



भाजपा कार्यशाला में उपस्थित केसरी देवी पटेल व अन्य।

का स्वागत एवं आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किए। कार्यक्रम का संचालन मनोज निषाद जिला महामंत्री गंगापर ने किया। कार्यशाला में प्रमुख रूप से सौम्या मिश्रा, साधना, अनिल कुमार सरोज, आलोक कुमार गुप्ता, दिलीप निषाद, पवन कुमार शुक्ला, संजय सिंह, राजधर द्विवेदी, राकेश

सिंह, आत्मा धर दुबे, प्रताप बहादुर सिंह, जय प्रकाश दुबे, नरेन्द्र कुशवाहा, प्रभाकर दुबे, प्रमोद मिश्रा, जायसवाल, राजेश सरोज, विमल मिश्रा, लखकुश बिन्दू काशीनाथ मिश्रा, शुभम मिश्रा, सूर्यमणि पाण्डे, भूपेन्द्र कुमार मिश्रा, साधना तिवारी सहित आदि कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय हरदुआ में बच्चों को उपहार से सम्मानित कर हुई विदाई

अखंड भारत संदेश

करछना। प्राथमिक विद्यालय के प्रबंधक और टीचिंग स्टाफ की ओर से प्राथमिक विद्यालय हरदुआ में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा 5 में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को आकर्षक उपहार दिये गये व विशेष भोज के साथ विदाई दी गई। कार्यक्रम के शुभारंभ में रामपुर तालुका मुंगरी ग्राम प्रधान जितेन्द्र कुमार द्विवेदी व स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) के अध्यक्ष अरुण कुमार और साथ में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मधु जोशी के द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया। तत्पश्चात बच्चों ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों ने विभिन्न गीतों पर खुबसूरत नृत्य प्रस्तुत किए। जिसमें देश रंगीला, तेरी मिठी में मिल जाऊँ, राधा तेरी चुनरी आदि गीतों पर सुंदर नृत्य शामिल थे। इस दौरान विद्यालय की प्रधानाध्यापिका द्वारा इस वर्ष उत्तीर्ण हुए बच्चों में से कक्षा 5 में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को मार्कशीट सहित उपहार देकर सम्मानित भी किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहे हैं बच्चों को भी उपहार बांटा गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित ग्राम प्रधान जितेन्द्र कुमार द्विवेदी ने विद्यालय में कार्यरत शिक्षिकाओं, शिक्षामित्र व रसीदियों को उपहार भेंट किए। साथ ही कक्षा पांच उत्तीर्ण करने वाले सभी बच्चों को बधाई दी व निरन्तर सत्य के मार्ग पर चलकर समाज में आदर्श नागरिक बनने के लिए कहा।



समर बहादुर सिंह पब्लिक स्कूल एवं इंटरमीडिएट कॉलेज गरियांव में नये सत्र का हुआ शुभारंभ



जंघई। समर बहादुर सिंह पब्लिक स्कूल एवं इंटरमीडिएट कॉलेज गरियांव जौनपुर में अध्यापकों एवं छात्र छात्राओं के साथ विद्यालय के संचालक रमेश प्रताप सिंह ने 1 अप्रैल को ज्ञान की देवी मां सरस्वती जी की विधिवत पूजन अर्चना आरती करके नए सत्र 2023-24 का शुभारंभ किया। तत्पश्चात अध्यापकों ने छात्र छात्राओं को तिलक लगाकर तथा पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया एवं सभी को निम्नान खिलवा कर नए सत्र के लिए शुभ कामना शुभ आशीर्वाद प्रदान किया इसी के साथ नये शैक्षणिक सत्र की 1 अप्रैल से शुरूआत हो गई। विद्यालय में आज के परिवेश में समस्त जरूरी सुविधाएं उपलब्ध हैं जो कि बच्चों की पढ़ाई में नई तकनीकों में सहायक होंगी। विद्यालय में योग्य शिक्षकों द्वारा छात्र, छात्राओं को विषयवार शिक्षा के साथ साथ कंप्यूटर आदि भी सिखाया जाता है तथा खेलकूद प्रतियोगिता का भी आयोजन होता है।

खबर संक्षेप

गंगा महासभा प्रयागराज के कार्यसमिति की बैठक आज

नैनी। गंगा महासभा प्रयागराज की नवगठित कार्यकारिणी की मासिक बैठक आज 2 अप्रैल रविवार को मध्याह्न 2 बजे से 4 बजे तक मिडिल वार्ड रैस्टरेंट, मदन वाटिका बंधा रोड देवरख नैनी में होगी। उक्त जानकारी देते हुए महासभा के महामंत्री गजेंद्र प्रताप सिंह ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों से बैठक में समय से भाग लेने की अपील की है। सिंह के अनुसार बैठक में आगामी 9 अप्रैल रविवार को होने वाले गंगाभक्त समागम के बारे में विचार विमर्श किया जायेगा।

क्षत्रिय कल्याण समिति का त्रैवार्षिक चुनाव आज

नैनी। क्षत्रिय कल्याण समिति जमुना पार नैनी प्रयागराज का त्रैवार्षिक चुनाव आज 2 अप्रैल दिन रविवार को सायंकाल 5 बजे अभिनंदन बैकवेट गेट हाउस नैनी थाने वाली रोड पर होगा। उक्त जानकारी देते हुए समिति के महामंत्री डी के सिंह ने नैनी क्षेत्र के छत्रिय बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में चुनाव में अपनी सहभागिता करने की अपील की है।



चौक क्षेत्र के नेहरू कॉम्प्लेक्स में लगी भीषण आग



अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। कोतवाली, चौक के क्षेत्र के पुराने शहर में स्थित नेहरू कॉम्प्लेक्स में शनिवार की सुबह आग लग गई। घंटाघर स्थित नेहरू कॉम्प्लेक्स आग से लगभग दो दर्जन दुकानों को अपनी जद में लिया। लगभग 15 दुकानें पूरी तरह जलकर नष्ट हो गईं। आग से करोड़ों रुपये नुकसान का आकलन लगाया जा रहा है, हालांकि आग बुझने के बाद ही नुकसान की सही कीमत का पता लगाया जा सकेगा। आग लगने वाली ज्यादातर कपड़े, कॉस्मेटिक और प्लास्टिक की दुकानें शामिल हैं। सूचना पर दमकल की दो दर्जन से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग को बुझाने में सफल हुईं।

15 दुकाने जलकर हुईं खाक, आग बुझाने में दमकल की 25 से ज्यादा गाड़ियां लगीं



के प्रयास में हैं। वहां लोगों का कहना है कि इस अग्निकांड की वजह शॉर्ट सर्किट है। घटना की जानकारी देते हुए सीएफओ राजीव कुमार पांडेय ने बताया कि सुबह घंटाघर स्थित नेहरू कॉम्प्लेक्स में आग लगने की सूचना मिलने पर दमकल की गाड़ियों को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। आग इतनी विकराल थी कि 20 से अधिक फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर आग बुझाने में जुटी हैं। जैसीबी के माध्यम से दुकान के कई हिस्सों को तोड़कर आग बुझाने का काम चल रहा है। कपड़े कॉस्मेटिक के साथ-साथ प्लास्टिक के सामानों की वजह से आग काफी विकराल हो गई। पिछले दो-तीन घंटों से लगातार आग बुझाने का काम जारी है।

ओवरटेक के दौरान ट्रक व पिकअप पलटी मेजा के फूल विक्रेता की मौत, पांच घायल

अखंड भारत संदेश

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र पुलिस स्टेशन अंतर्गत एक गिट्टी लदी ट्रक और फूल लदी पिकअप पलट गईं। इस हादसे में सवार फूल की खेती करने वाले किसान की मौत हो गई। जबकि पिकअप में सवार पांच अन्य लोग घायल हो गए जिसमें से दो की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है। ट्रक के चालक एवं खेतीवासी मौके से फरार हो गए हादसे के बाद मिजापुर-प्रयागराज राजमार्ग पर जाम लग गया दो हाइड्रोजेसीबी मॉर्गकर सड़क पर पलटी ट्रक में लदी गिट्टी हटवाई गई उसके बाद रास्ता बिल्वर कराया। औद्योगिक क्षेत्र पुलिस स्टेशन अंतर्गत डेज मेडिकल तिराहे के समीप शनिवार की भोर दुर्घटना हो गई। मेजा थाना क्षेत्र के ऊंचडीह इलाके से एक पिकअप मैजिक में फूल लादकर पांच किसान नैनी फूलमंडी बचने जा रहे थे। प्रयागराज - मिजापुर हाईवे पर शनिवार भोर में 4:45 बजे के आस पास डेज मेडिकल तिराहे के समीप पिकअप वाले को गिट्टी लदे ट्रक वाले ने ओवरटेक किया। ओवर टेक करने के दौरान बगल से पिकअप में ट्रक से टक्कर लग गई। जिससे मैजिक पलट गई। इस दौरान ट्रक भी पलट गया। मैजिक में पीछे जो लोग बैठे थे, वो झिटक कर सड़क पर गिर गए। उन्हीं में से एक व्यक्ति श्याम बिहारी (45) पुत्र सुवर्णमणि निवासी कपुरी, भरारी, ऊंचडीह, मेजा ट्रक के डाला और गिट्टी के नीचे दब गया। जिससे उसकी

नैनी औद्योगिक क्षेत्र के डेज मेडिकल तिराहे के पास शनिवार भोर हुआ हादसा



मौत हो गई। श्याम बिहारी फूलों की खेती करता है। आईएसएम3 सवार महेसा कुमार बिंद उर्फ पंडित (35) पुत्र रामाधार, दिनेश (38) पुत्र सुरेश चंद्र, पिकअप चालक महेंद्र कुमार (28), दूधनाथ (36) पुत्र भगवती प्रसाद बिंद, विष्णु बिंद (29) पुत्र अरविंद बिंद निवासी मेडरा, मेजा घायल हो गए। सभी को नजदीकी अस्पताल भेजा गया। जहां पंडित और दिनेश की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है।

समाधान दिवस पर बीडियों मऊआइमा पर हमला

सोरांव। सोरांव तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस के अंतिम क्षण में आवास के मामले को लेकर खंड विकास अधिकारी मऊ आइमा पर हमला कर दिया गया। हमला होता देख आसपास के लोगों द्वारा बीच-बचाव किया गया। वहीं पीड़ित बीडियों की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। शनिवार को सोरांव तहसील परिसर में संपूर्ण समाधान के अवसर पर खंड विकास अधिकारी मऊ आइमा श्याम नारायण चुतुवेदी ने प्रतिभाषण किया था। उप जिलाधिकारी के पास अंतिम क्षण मीटिंग करने के लिए जा रहे थे। आरोप है कि पूर्व प्रधान राजा त्रिपाठी व आवेदिका सुषमा उनके पुत्र व पूर्व प्रधान का पुत्र प्रिस व 8-10 अज्ञात लोगों ने योजनाबद्ध तरीके से विधि विरुद्ध जमाव करते हुए सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाया। विरोध करने पर गाली गुला देते हुए जानलेवा हमला कर दिया। आसपास के लोगों ने बीच बचाव किया। कपड़े फाड़ दिए तथा जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। पीड़ित खंड विकास अधिकारी मऊ आइमा की तहरीर पर राजा त्रिपाठी, सुषमा, प्रिस तिवारी, सुषमा का पुत्र समेत 8-10 अज्ञात के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। वहीं इस्पेक्टर सोरांव अशोक कुमार ने बताया कि तीन लोगों गिरफ्तार कर लिया गया है।



कोरांव में श्रम प्रवर्तन अधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

बंदी का उल्लंघन कर खुली दर्जनों दुकानों पर कार्यवाही की तैयारी
कोरांव। नगर पंचायत कोरांव में शनिवार को बंदी दिवस होने के बावजूद कई प्रतिष्ठान खुली पाई गईं। श्रम प्रवर्तन अधिकारी ने तहसील दिवस के बाद औचक निरीक्षण किया। इस निमित्त ऊपर हुई रिजल्टोरांत उप श्रमायुक्त प्रयागराज मंडल राजेश मिश्रा ने अधिनस्थ संबंधित अधिकारियों को बंदी के दिन खुलने वाली दुकानों प्रतिष्ठानों के खिलाफ विधिक कार्यवाही का निर्देश दिया है। बता दें कि श्रम प्रवर्तन अधिकारी प्रकाश संखार ने कोरांव में बंदी के दिन खुली दर्जनों दुकानों का निरीक्षण किया और उनके फोटो ग्राफ लिए। उन्होंने बताया कि कुल फिलहाल 22 प्रतिष्ठानों के खिलाफनपहले चरण में कार्यवाही होगी। निस्की सूची आगे भेजी जाएगी। पूर्व में कई बार डेटाबेसिक बावजूद भी दुकानें लोग खोले रहे। वहीं बंदी का पालन करने वाले दुकान बंद कर झक मारते रहे। इस विषय में पूर्व में व्यापार मंडल केडी नेताओं ने श्रम अधिकारी और समाधान दिवस में बंदी का दिन सभी के लिए एक समान दृष्टि अपने में को लेकर जिला सतर्कता समिति बंधुआ श्रम उन्मूलन सदस्य श्रम विभाग प्रयागराज शहजदे के साथ बैठ कर बंदी नियम सभी को पालन किए जाने का निर्णय लिया गया था और कई दुकानदारों को चेतावनी दे कर जेड दिया गया था। श्री संखार श्रम प्रवर्तन अधिकारी ने बताया कि बंदी के दिन यदि भविष्य में कोई भी दुकान खुली मिली तो उनकी खैर नहीं। उन्होंने बताया की 90 प्रतिशत बंदी सुनिश्चित हुई। उन्होंने चेतावनी कि कोई भी प्रतिष्ठान पर नाबालिग बच्चे काम पर मजदूरी करते हुए मिले तो निश्चित उक्त प्रतिष्ठान मालिक को सख्त कार्यवाही का सामना करना होगा। और एफआईआर भी होगी। और नाबालिग श्रमिकों को उक्त प्रतिष्ठान से मुक्त करा कर कोर्ट के आदेश पर वारिश को सौंप दिया जाएगा। जुमाना भी देना होगा।

मऊआइमा में संचारी रोग नियंत्रण हेतु निकाली गई जागरूकता रैली

मऊआइमा। मऊआइमा में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत मऊआइमा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई। मऊआइमा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत रैली का फीता काटकर भाजपा मंडल अध्यक्ष नगर शारदा प्रसाद शुक्ला ने हरि झंडी देखा कर रवाना किया। बताया गया है कि रैली का उद्देश्य कीटाणुओं एवं मच्छरों से काटने वाले रोगों जैसे एक संक्रमित दूसरे को प्रभावित करता है। तथा मलेरिया, फाइलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया टाइफाइड, दिमागी बुखार, हिट स्टीक, कोविड आदि से रोक थाम का अभियान चलाया गया। उक्त रैली का उद्देश्य एक अप्रैल से तीन अप्रैल तक चलाया जाएगा। तथा 17 अप्रैल से तीस तक दस्तक अभियान चलाया जाएगा। इस अवसर पर लिकिता प्रभारी डाक्टर आर जी वर्मा, स्वास्थ्य पर्यक्षक अधिकारी अशोक सिंह, एच टी एच अशोक, स्वास्थ्य शिक्षाधिकारी रहबर अली, डाक्टर गुंजन अरोरा, सुनील कुमार, धर्मद, हरिगोविंद पटेल, सुरेश मिश्रा, जय प्रकाश पटेल आदि मौजूद रहे।

ब्लाक उरुवा में संचारी रोग नियंत्रण माह की हुई शुरुआत

सिरसा। मेजा क्षेत्र के ब्लाक उरुवा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामनगर के समस्त स्टाफ के द्वारा अधीक्षक डा० नीरज पटेल के नेतृत्व में चिकित्सालय क्षेत्र में रैली निकालकर जन समुदाय को संचारी रोगों की रोकथाम के लिए जागरूक किया गया। इसके उपरांत अधीक्षक डा०नीरज पटेल द्वारा उंचडीह गांव का सपोर्टेड सुपरविजन किया गया। अधीक्षक डा० नीरज पटेल एवं प्राथमिक विद्यालय उंचडीह के प्रधानाध्यापक विनोद शुक्ला द्वारा प्राथमिक विद्यालय उंचडीह के बच्चों समस्त अध्यापकों, आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी सहायिका के साथ संचारी रोग नियंत्रण के प्रति जनजागरूकता रैली निकाली गयी इस दौरान ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक आशीष द्विवेदी, एस्टीएस अंकित पांडेय, आरकेएसके काउन्सलर मनोज सविता भी उपस्थित रहे। अधीक्षक डा. नीरज पटेल द्वारा बच्चों को मच्छर जनित बिमारियों से बचाव एवं हेण्ड वासिंग से होने वाले फायदे के प्रति संवेदीकरण किया।

ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक चित्रकूट नामक पुस्तक का संयुक्त निदेशक ने किया विमोचन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। महामाया राजकीय महाविद्यालय धनुपुर, हंडिया में मुख्य अतिथि प्रो. सुनंदा चुतुवेदी संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा एवं अध्येक्ष प्राचार्य प्रो.शुभा सिंह जोशी के कर कमलों द्वारा डॉ. आदित्य नाथ द्वारा लिखित "ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक चित्रकूट" नामक पुस्तक की विमोचन शनिवार को किया गया। अपनी पुस्तक समीक्षा में चर्चा करते हुए डॉ. आदित्य नाथ ने बताया कि इस पुस्तक को पूर्व परिचय, भूगोल, इतिहास, पुरातत्व और आधार ग्रंथ सूची आदि 5 अध्यायों में विभाजित किया गया है। पूर्व परिचय का जिक्र करते हुए लेखक ने बताया कि इसका इतिहास क्षेत्रीय इतिहास में छुटपुट इधर-उधर बिखरा हुआ था और उन्होंने उसको क्रमबद्ध किया। चित्रकूट के लगभग 25 से 30 पुरातात्विक स्थलों का भौतिक निरीक्षण करके वहां से उपलब्ध



सामग्री का ज्ञान पुरातत्वीय एवं साहित्यिक प्रमाणों के साथ तुलनात्मक रूप से महत्व प्रतिपादित किया है। इस पुस्तक में 40 फोटोग्राफ्स भी दिए गए हैं। मुख्य अतिथि ने बतलाया कि यह हर्ष का विषय है कि डॉ. आदित्य नाथ द्वारा प्रणीत पुस्तक "ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक चित्रकूट" बुंदेलखंड के महत्त्वपूर्ण परिक्षेत्र से संबंधित है। अपनी उक्त पुस्तक में डॉ. आदित्य नाथ ने चित्रकूट के संदर्भ में पूर्ण रूप से स्थापित साहित्यिक एवं पुरातात्विक साक्ष्यों के आधार पर निर्मित इतिहास से आगे बढ़ते हुए नवीन ऐतिहासिक हर्ष का विषय है कि डॉ. आदित्य नाथ द्वारा प्रणीत पुस्तक "ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक चित्रकूट" बुंदेलखंड के महत्त्वपूर्ण परिक्षेत्र से संबंधित है।

और रमणीयता की स्थापना करते हुए चित्रकूट में पर्यटन हेतु विभिन्न संभावनाओं के द्वार खोलता है। अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रो. शुभा सिंह जोशी ने बतलाया कि ऐसी ऐतिहासिक एवं पौराणिक महत्व की धरती को विभिन्न माध्यमों की सहायता से जिस प्रकार से डॉ. आदित्य नाथ ने पन्नों पर उकेरा है वह अत्यंत सराहनीय है। मुझे विरवास है कि उनकी यह पुस्तक न केवल आकाशमिक जनत से जुड़े लोगों के लिए अपितु हर उर उर व्यक्ति के लिए जो भारत के इतिहास एवं पौराणिक महत्व को समझने में रुचि रखता है, अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। डॉ सुनील कुमार विश्वकर्मा एवं रामदास अग्रवाल, प्रकाशक एवं पुस्तक विक्रेता सहित सब का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के जेठ प्रोफेसर गण, कनिष्ठ प्राध्यापक गण, शिक्षणेत्तर कर्मचारी पत्रकार आदि उपस्थित थे।

समाधान दिवस पर ओलावृष्टि से फसलों की हुई क्षतिपूर्ति की मांग किसानों ने उठाई

करछना। क्षेत्र में शुक्रवार को अचानक हुई तेज बारिश व अति ओलावृष्टि से फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। जिससे किसान लोग चिंतित व मायूस है। शनिवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता एडवोकेट विजय शंकर शुक्ल चंदन ने तहसिल क्षेत्र में हुई अतिवृष्टि व ओलावृष्टि से हुई किसानों के फसलों की क्षतिपूर्ति की मांग शासन-प्रशासन से की है। भाजपा नेता एडवोकेट विजय शुक्ल चंदन समेत टकटैया ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान अजय कुमार ने शनिवार को तहसील के संपूर्ण समाधान दिवस में कई किसानों के साथ संपूर्ण समाधान दिवस प्रभारी को एक लिखित रूप से ज्ञापन सौंपा। जिसमें शुक्रवार को हुई तेज बारिश व ओलावृष्टि से टकटैया ग्रामसभा समेत लोहारी कोलाही टकरिया अताही गांव के किसानों की दलहन पिलहन समेत गेहूं की नुकसान की अलावा सब्जी व्यवसायियों को काफी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने किसानों के नुकसान की भरपाई की मांग की है। इसी प्रकार क्षेत्र के भडेवा भुंजा खाई रोक्की नरेना नोवादा हनुमानपुर पचदेवरा कचरी वीरपुर भीरपुर कटका पनासा डीहा बसही आदि गांवों में ओलावृष्टि ने तबाही मचा दी है। लोगों ने क्षतिपूर्ति की भरपाई की मांग शासन प्रशासन में गिरी जिससे तीन मवेशी चपट में आकर झुलस गए,जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। पीड़ित ने बताया कि एक भैंस और दो गायों की मौत हुई है।

आकाशीय बिजली गिरने से तीन मवेशी झुलसे, मौत

सिरसा। शुक्रवार शाम को बेमौसम हुई तेज बारिश के समय आकाशीय बिजली गिरने से तीन मवेशी झुलस जाने से उनकी मौत हो गई मिली जानकारी के अनुसार गांधी थाना क्षेत्र के उमाना गांव निवासी भगवती प्रसाद पांडेय तेज बारिश और आंधी को देख अपने मवेशियों को गोशाला में बांध कर सुरक्षित कर दिया थोड़ी देर बाद गरज चमक के साथ आकाशीय बिजली गोशाला में गिरी जिससे तीन मवेशी चपट में आकर झुलस गए,जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। पीड़ित ने बताया कि एक भैंस और दो गायों की मौत हुई है।



भारी बारिश से गेहूं की पकी फसल नष्ट किसानों की आंखों में आंसू



अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। बेमौसम हुई बरसात से खेतों में लगी जमावट की कुदरत ने बर्बाद कर दिया। पकी फसलों के खेतों में लेट जाने और पानी भर जाने से कारखानदार खून के आंसू रो रहा है। कुदरत का अजीब गरीब खेल निराला है। किसानों के अनुसार पहले वह हांड कपा देने वाली टंडक में फसलों को नीय गावों से बचाया फिर दिन में छुट्टा पशुओं ने कुछ फसलों को नष्ट किया अब जब खेतों में पकी फसलों को काटने और मड़ाई हेतु रखा तो प्राकृतिक

आपदा ने सब कुछ बर्बाद कर दिया। बीती रात से शनिवार को सुबह तक तेज बारिश के कारण मड़ाई हेतु रखी पकी फसलें बर्बाद हो कर नष्ट हो गईं किसानों के मुताबिक वह किसी तरह इधर उधर से ऋण लेकर किसी तरह फसलों को तैयार किए। परन्तु उनकी जमा पूंजी तेज बारिश से बर्बाद हो गई है। किसानों को अब चिंता इस बात पर है कि वह कहां से कर्जों की अदायगी करेंगे। बहरहाल बेमौसम की वर्षा ने किसानों के घरों में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।और इसी गम में आंख से आंसू निकल आये।

न्यूज झरोखा

डिप्टी सीएम के आगमन को लेकर तैयारियां जोरो पर

मेजा रोड। विकास खंड उरुवा अंतर्गत गोशाला कलां चंपारण स्टेट स्थित दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल में रविवार को विद्यालय लोकार्पण कार्यक्रम में सूबे के डिप्टी सीएम वृजेश पाठक के आगमन को लेकर



तैयारियां जोरो पर चल रही विद्यालय संस्था के चेयरमैन सुशील मिश्रा ने बताया कि खराब मौसम के चलते मुख्यमंत्री का कार्यक्रम निरस्त हो गया था लेकिन जब उन्होंने बात किया कि क्या आप कार्यक्रम करा पाएंगे तो सुशील मिश्रा ने आश्चर्य करते हुए कहा कि हम कार्यक्रम को ऐतिहासिक रूप देते आए केवल समय दीर्घ सुशील मिश्रा ने कहा कि कार्यक्रम में लगभग दस हजार लोगों के पहुंचने की संभावना है उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर कम से कम सैकड़ों मजदूर लगाए गए हैं कहां की बारिश ने कार्यक्रम में खलल डालने की कोशिश की लेकिन कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। विद्यालय की प्रबंधक स्वतंत्र मिश्रा ने स्कूल से जुड़े छात्र व अभिभावकों तथा क्षेत्रीय लोगों से उक्त अवसर पर पहुंचने की अपील की है। उक्त मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियों में इंजीनियर नित्यानंद उपाध्याय, सिद्धांत तिवारी समाजसेवी, तुलसीदास तिवारी, सबल तिवारी, टिकू द्विवेदी, लव कुश तिवारी,किशन तिवारी सहित आदि लोग लगे रहे।

यूनाइटेड के 64 छात्रों को टीसीएस में नौकरी

नैनी। यूनाइटेड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स (यूजीआई), नैनी के 64 इंजीनियरिंग छात्रों को भारत की प्रतिष्ठित आईटी फर्म टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) में अलग-अलग प्रोफाइल पर नौकरी मिली है।



सभी छात्र 2023 बैच के हैं। डीन, कॉरपोरेट एंड इंस्ट्रुटी रिलेशंस, यूजीआई डॉ. दिव्या बरतारिया ने बताया कि 54 छात्रों को टीसीएस निंजा के प्रोफाइल पर 3.36 लाख रुपये के वार्षिक पैकेज पर, छह छात्रों को टीसीएस डिजिटल के प्रोफाइल पर 7.2 रुपये के वार्षिक पैकेज पर जबकि चार छात्रों को टीसीएस सहायक सॉफ्टवेयर इंजीनियर (एएसई) प्रोफाइल पर 4.3 लाख प्रति वर्ष (एलपीए) पर नौकरी के लिए चुना गया है। बताया कि इन सभी छात्रों का चयन टीसीएस द्वारा आयोजित राष्ट्रीय योग्यता परीक्षा (एन क्यू टी) के माध्यम से किया गया जिसमें लिखित परीक्षा, ग्रुप डिस्कशन और इंटरव्यू को चयन का आधार बनाया गया था। यूजीआई के वाइस प्रेसिडेंट गौरव गुलाटी और प्राचार्यों ने चयनित छात्रों को उनकी उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी हैं।

वृद्धा आश्रम में केक काटकर महामंडलेश्वर ने मनाया जन्मदिन

नैनी। आधारशिला वृद्धाश्रम नैनी में उत्तर प्रदेश किन्नर अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष एवं किन्नर कल्याण बोर्ड उत्तर प्रदेश सरकार की सदस्य कौशल्या नंदिगिरी उर्फ टीना मां अपना जन्मदिन मनाया तमाम शिष्यों के साथ मां वृद्ध आश्रम में उपस्थित हुई सभी वृद्ध माता-पिता जन्म दिवस के अवसर पर उत्साहित होकर टीना मां को आशीर्वाद प्रदान किया टीना मां ने अपने संबोधन में कहा कि वृद्धजन ईश्वर के समान होते हैं इन्होंने हमें सामाजिक ज्ञान के साथ-साथ बहुत कुछ सीखने को मिलता है वृद्ध जनों को आश्चर्य करते हुए कहा कि हम आकर्षी सेवा हेतु समय समय पर उपस्थित होते रहेंगे वृद्ध आश्रम प्रभारी शीतला प्रसाद श्रीवास्तव कार्यक्रम का संचालन करते हुए टीना मां का स्वागत किया और कहा कि समाज में आपके द्वारा किए जा रहे कार्यों से एकचुटता आपसी प्रेम एवं सद्भावना बढ़ रही जिससे कि आगे समाज में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेंगे टीना मां के कृपा पात्र अखिलेश तिवारी जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपका आशीर्वाद हम सभी को फलीभूत होता है टीना मां ने सभी वृद्ध माता-पिता की उपस्थिति में केक काटा सभी को फल मिष्ठान वितरित किया एवं दोपहर का भोजन किया वृद्धजनों के साथ बैठकर महामंडलेश्वर को अपने बीच पाकर वृद्धजन बहुत खुश नजर आ रहे थे आभार व्यक्त करते हुए प्रबंधक सुशील श्रीवास्तव ने कहा कि आप अपना जन्मदिन वृद्ध आश्रम में मनाकर वृद्ध जनों को सम्मानित किया यह भी एक सेवा के समान है इस अवसर पर नवीन शुक्ला एडवोकेट डॉक्टर आरके सिंह सविता मिश्रा जिलाध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा जमुना पार सुधीर कुमार अनुकृति श्रीवास्तव मनसा देवी रामकुमार अंशु आभा आदि उपस्थित रहे।



कलश यात्रा के साथ लक्ष्मी नारायण यज्ञ का शुभारंभ

झूंसी। विरव कल्याण एवं शान्ति लिए झूंसी के बजहा गांव में सात दिवसीय लक्ष्मी नारायण यज्ञ का आयोजन किया गया है। शनिवार को कलश यात्रा के साथ लक्ष्मी नारायण यज्ञ का शुभारंभ हुआ। मथुरा वृंदावन से आए महाराज महेशानन्द के साथ विद्वान पंडितों द्वारा लक्ष्मी नारायण यज्ञ किया जा रहा है। शनिवार को कथा स्थल से कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें भारी मुख्य जजमान धर्मराज सिंह के साथ भारी संख्या में गांव की महिला, पुरुष, बच्चे, बूढ़े सम्मिलित हो कर गांव की परिक्रमा की। अयोध्या से आये आचार्य विवेकृष्ण जी महाराज शाम तीन से छह बजे तक कथा का संचालन करणगे। कलश यात्रा में प्रधान पति राजेश सिंह, सन्तोष कुमार पाल, विजयपाल, माला सिंह, मृत्युंजय सिंह आदि मौजूद रहे।



अरुण राजभर विधायक शोक संवेदना व्यक्त करने मेजा पहुंचे

सिरसा। मेजा क्षेत्र में सुहृददेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व मुख्य प्रवक्ता अरुण राजभर मेजा के ददी गांव में भागीदारी पार्टी (पी०) के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमचंद प्रजापति के दादा कामरेड रामकिशोर प्रजापति जी के निधन के उपरांत आज उनके निज आवास मेजा में शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे और उन्होंने कहा की रामकिशोर जी प्रतिभा के बहुत ही धनी थे उन्होंने अपने जीवन काल में गरीबों और समाज के हित में बहुत कार्य किया था जिसके कारण ये गरीबों के मसीहा कहे जाते थे। इन्हें मीके जाते थे हरिशंकर प्रजापति, विनय जयसवाल,दुर्गा प्रसाद गुप्ता, भोला नाथ सोनकर, कीर्ति प्रकाश द्विवेदी, देवीदत्त प्रजापति आदि लोग रहे।



कैबिनेट मंत्री नंदी का फूलपुर में हुआ जोरदार स्वागत

फूलपुर। प्रदेश में अब कानून का राजहै। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा सरकार बिना भेद भाव के सबको साथ लेने के साथ ही सबको विवास में ले कर कार्य कर रही है। उक्त बातें शनिवार को फूलपुर पहुंचे कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कार्यकर्ताओं के बीच कही। फूलपुर नगर पंचायत के नामित सभासद राय साहब के घर पहुंचे नंदी का कार्यक्रमों में फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया। मौके पर भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमरनाथ शर्मा, शासकीय अधिवक्ता सुनील केशरी सदावत, नंदी के जनसंपर्क अधिकारी कुंवर जी केशरवारी, मंडल अध्यक्ष आलोक गुप्ता, सभासद बलवंत मौर्य, राजेश गुप्ता,रमेश गौतम, सत्यम केशरी, अजय केशरी, पूर्व प्रचारक जय प्रकाश नारायण , पूर्व सभासद राम बाबू केशरी, धर्मद गुप्ता,रहनु विश्वकर्मा, मनोज पाठक, रिकू केशरी, एजाज अहमद, प्रेम चंद्र, प्रदीप गुप्ता, राजकुमार, विपिन केशरी, विनोद केशरी, रमेश, राम गोपाल, देवेन्द्र नारायण लोहिया के साथ ही दर्जनों की संख्या में नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।



प्रतापगढ़ संदेश

स्कूल चलो अभियान व संचारी रोग अभियान की जागरूकता रैली का हुआ शुभारंभ

विधायक, डीएम, एसपी, सीडीओ, सीएमओ व ईओ नगर पालिका ने की शिरकत

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डॉ नितिन बंसल, पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल एवं मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया के निर्देशन में स्कूल चलो अभियान रैली का शुभारंभ हादीहाल प्रांगण से किया गया। मुख्यमंत्री द्वारा स्कूल चलो अभियान रैली का शुभारंभ किया गया जिसका लाइव प्रसारण हादीहाल में किया गया।

इस दौरान मुख्य अतिथि सदर विधायक राजेंद्र मौर्य ने कहा कि व्यक्ति की पहचान उसके कर्मों से होती है इसलिए शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी देना जरूरी है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी



जागरूकता रैली के दौरान मौजूद विधायक, डीएम, एसपी व सीडीओ।

भूपेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले सत्र में नामांकन का लक्ष्य 52284 दिया गया था जिसके सापेक्ष 93068 बच्चों का नामांकन हुआ जो लक्ष्य से 40820 अधिक था। जनपद में कुल 15 आवासीय कस्तुरबा गांधी विद्यालय संचालित हैं जिसमें कुल नामांकित 1700

छात्राओं को सभी प्रकार के निशुल्क सामग्री देते हुए शिक्षा प्रदान की जा रही है। इस अवसर पर कंपोजिट स्कूल सुखपाल नगर कक्षा 5 में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली वीर्ता द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले मोहम्मद शैफ तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले शाहिद और

कक्षा 8 में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले अनुराग प्रजापति द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले शालू पटेल और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बसुरा प्रवीण को शील्ड एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन धर्मेन्द्र ओझा ने किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला विद्यालय निरीक्षक ओपी राय प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक अशोक कुमार सिंह सीएमओ प्रतापगढ़ डीएसटीओ राजेश सिंह प्रतापगढ़ डीपीआरओ रवि शंकर द्विवेदी एएओ जिला समन्वयक प्रशिक्षण कृष्णा समस्त खंड शिक्षा अधिकारी हरजीवन रामकुमार

सिंह आदि उपस्थित रहे। इसी के साथ ही विधायक व जिलाधिकारी ने एक अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलने वाले संचारी रोग अभियान की जागरूकता रैली को भी हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह जागरूकता रैली चैक घंटाघर, सदर मोड़, राजपाल टंकी, मीरा भवन, भंगवा चुंगी होते हुए पुनः हादीहाल में समाप्त हुई। इस रैली में नगर पालिका की एंटी लार्वा की गाड़ियां तथा फायर ब्रिगेड की गाड़ियां चल रही थी। सीएमओ जीएम शुक्ला ने बताया कि घर-घर जाकर इस अभियान की जानकारी दी जाएगी।

प्रताप बहादुर पार्क से नगर पालिका ने हटाया अवैध कब्जा, चहारदीवारी के लिये खोदा नींव

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला अस्पताल के सामने प्रताप बहादुर पार्क में शनिवार को नगर पालिका ने अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया जिसमें जेसीबी, ट्रैक्टर, लोडर, मैजिक और 40 रोड गैंग के कर्मचारियों ने पार्क के अवैध कब्जे को एक-एक करके हटाया जिसमें दर्जनों जनरेटर, चार पहिया गाड़ियां, गुमटियों को हटा दिया गया तथा नगर पालिका ने नींव खोदकर पार्क की चहारदीवारी का कार्य भी शुरू कर दिया। इस अभियान में एसडीएम सदर शैलेन्द्र वर्मा भारी पुलिस बल, नगर पालिका के अधिष्ठापी अधिकारी राम अचल कुरील, नगर पालिका के जेई अनिल जायसवाल,



प्रताप बहादुर पार्क में अवैध कब्जा दहाती जेसीबी।

दोनों आरआई लाल बहादुर सिंह व राजेश बिंद, सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह, मिथिलेश सिंह, ओम प्रकाश शुक्ला आदि सक्रिय थे। यह अतिक्रमण पूर्वाह्न 11 बजे से शुरू होकर अपराह्न तीन बजे तक चला। बता दें कि प्रताप बहादुर पार्क में मेडिकल स्टोर

व चिकित्सकों के चेम्बर हैं जहां जनरेटर, चार पहिया गाड़ियां व दर्जनों गुमटियां रखी हैं जिससे नगर पालिका ने आज हटा दिया। अधिष्ठापी अधिकारी ने चेतावनी दी कि नगर पालिका की जमीन में अवैध कब्जा करने वालों पर कार्यवाही भी की जा सकती है।

हैप्पी टाइम स्कूल में मेधावियों को मिला सम्मान, परीक्षाफल देख खिले चेहरे

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। शहर के नया माल गोदाम रोड स्थित हैप्पी टाइम स्कूल में शुरुवार व शनिवार को वार्षिक परीक्षाफल के वितरण में हर कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वालों को सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर मेधावियों के चेहरे खिले हुए थे। छोटे-छोटे बच्चों में एक दूसरे से अधिक अंक पान की स्पर्धा दिखाई दी।

यूकेजी में तो सर्वाधिक अंक पाने वाले तीन बच्चे थे जिसमें तीनों को प्रथम पुरस्कार किया गया। पीजी में पिचांप, एलकेजी में मायरा, यूकेजी में प्रणत, कार्तिकेय व लक्ष्मी, प्रथम में लक्ष्मी



मेधावियों को मेडल वितरित करती वरिष्ठ शिक्षिका।

तिवारी, द्वितीय में देवांशु श्रीवास्तव, तृतीय में संध्या, चतुर्थ

में अभिषेक, पंचम में सिद्धि ने प्रथम स्थान पाया। प्रथम स्थान पाने वालों को प्रबंधक व वरिष्ठ शिक्षक ने मेडल पहनाया तो बच्चों ने तालियों से स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रबंधक शैलेन्द्र मिश्र ने बताया कि द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आए मेधावियों के अभिभावक भी खुश दिखाई दिये। शिक्षिकाओं ने उनके सुझाव भी लिये और बच्चों को अधिक अंक पाने के टिप्स दिये।

इस अवसर पर प्रियांशी, रौनक, सृष्टि, सीमा, हेमा, काजल व कंचन लता ने परीक्षाफल वितरण में सहयोग किया।

आदर्श शिक्षक सुरेश प्रसाद पाण्डेय का हुआ सम्मान समारोह

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। शिक्षा क्षेत्र में लगातार 32 वर्षों तक अहर्निश सेवा के पश्चात सेवानिवृत्ति के अवसर पर आदर्श शिक्षक सुरेंद्र प्रसाद पांडेय का सारस्वत अभिनंदन और सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन नगर स्थित लीला पैलेस में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ शक्ति कुमार पांडेय ने किया।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह डॉक्टर सोरभ पांडेय, सदर विधायक राजेंद्र मौर्य, भाजपा जिला अध्यक्ष हरिओम मिश्र, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष रमा शंकर शुक्ल, वरिष्ठ भाजपा नेता शिव प्रकाश मिश्र सेनानी, खंड शिक्षा अधिकारी

लीला पैलेस में आयोजित कार्यक्रम में विधायक ने की शिरकत



आदर्श शिक्षक को सम्मानित करते विधायक राजेंद्र मौर्य।

ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव, उमाशंकर मिश्र, नगर संचालक मुरलीधर केसरवानी और पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी उपस्थित रहे। सदर विधायक राजेंद्र प्रसाद मौर्य ने कहा कि भारतवर्ष में शैक्षिक क्रांति हो रही है। शिक्षा के द्वारा ही विचार का प्रवाह हो

सकता है और एक शिक्षक को समाज के परिवर्तन में और समाज को सही दिशा में ले चलने में बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। भाजपा जिला अध्यक्ष हरिओम मिश्रा ने सुरेंद्र प्रसाद पांडेय के व्यक्तित्व की सराहना करते हुए कहा कि आपके द्वारा शिक्षा के साथ-साथ

सकता है और एक शिक्षक को समाज के परिवर्तन में और समाज को सही दिशा में ले चलने में बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। भाजपा जिला अध्यक्ष हरिओम मिश्रा ने सुरेंद्र प्रसाद पांडेय के व्यक्तित्व की सराहना करते हुए कहा कि आपके द्वारा शिक्षा के साथ-साथ

सामाजिक जीवन में अनेक कार्य किए गए हैं। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष रमाशंकर शुक्ल ने सुरेंद्र प्रसाद पांडेय के साथ अनेक संस्मरण को बताते हुए कहा कि वह किसी भी कार्य के लिए थकते नहीं थे। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, प्रतापगढ़ के जिला कार्यवाह डॉक्टर सोरभ

पांडेय, शिरी खरे, डॉ बृजभानु सिंह द्वारा तैयार किये गये सम्मान पत्र का वाचन राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला महामंत्री राजेश मिश्रा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचार प्रमुख और वरिष्ठ शिक्षक प्रभा शंकर पांडेय द्वारा किया गया।

सपा की मासिक बैठक में नगरीय निकाय चुनाव पर हुई चर्चा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। समाजवादी पार्टी कार्यालय मीराभवन पर मासिक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य एजेंडा नगरीय निकाय चुनाव पर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता नि.जिलाध्यक्ष छविनाथ यादव व संचालन नि.जिलासहासचिव अब्दुल कादिर जिलानी ने किया। बैठक को सम्बोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि आगामी नगरीय निकाय चुनाव में पार्टी के सभी नेतागण व कार्यकर्तागण एकजुट होकर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों को जिताने का संकल्प लेकर क्षेत्र में जुट जाये जिससे समाजवादी पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों को जिताना जा सके। आगामी होने वाले लोकसभा चुनाव पर भी विस्तार पूर्वक चर्चा हुई। इस अवसर पर पट्टी विधायक रामसिंह पटेल, पूर्व विधायक नागेंद्र सिंह मुन्ना यादव, पूर्व स्नातक एमएलसी एसपी पटेल, पूर्व एमएलसी प्रत्याशी विजय यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष भद्रयाराम पटेल, आशुतोष पाण्डेय, गुलफाम खां, रमाशंकर यादव, नरेंद्र पाल एडवोकेट, अश्वनी सोनी, विनय प्रताप सिंह, संतोष यादव, यशवर्धन सिंह, करोड़ीमल शर्मा, महिमा गुप्ता, विनय सिंह भोला, पप्पू यादव, इरफान खान, डॉ.रामबहादुर पटेल, डॉ.शेखबहादुर यादव, राम अवध यादव काका, रामबचन यादव, सत्यनारायण यादव, रामधन यादव, तकदीरुद्दीन, अनिल यादव, रमेश पाटक, रमेश यादव, पारसनाथ यादव, साजिद अली, संजय सरोज, कमलेश मधुकर, प्रेम यादव, संजय यादव, प्रदीप यादव, समीम खान, विवेक यादव, वाहिद खान, बृजेश यादव, राहुल चैधरी, जुवेद अहमद, अमीरुल हक, सफात अहमद, कृष्ण कुमार पटेल, कृष्ण कुमार तिवारी, शिवकुमार विश्वकर्मा, मिथिलेश पाल, शिवाजीत सिंह, आबिद रजा, प्यारेलाल खैरा, रईस अहमद, प्रमोद पटेल, विवेक यादव, अजय मौर्य, जावेद खान, मनोज यादव, सिराजुल्लाक, हरीश शुक्ला, धर्मराज सिंह, सफात अहमद, सहाय अहमद, अख्तर अली, शम्स तबरेज खां, सुरेश यादव, राहुल चैधरी, चन्दन सिंह, राम आसरे सरोज, हकीम अंसारी, पूर्व मीडिया प्रभारी मनीष पाल सहित अन्य नेतागण उपस्थित रहे।

नौनिहालों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से मोहा मन, भवन का हुआ लोकार्पण

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर के पूरे टीकाराम वार्ड के पूरे हरकरन पट्टी स्थित नारायण माण्डेसरी स्कूल के भवन लोकार्पण पर रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शनिवार को कार्यक्रम का शुभारंभ चेरपरसंन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी ने भवन का लोकार्पण कर किया। परिसर में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। स्कूल की छात्रा अंशिका सिंह, मांशी मिश्रा, साध्वी यादव, सेजल सोनी, राधा जायसवाल, वंशिका, आकृति एवं राधा ने सरस्वती वंदना तथा भावनृत्य व नाटक मंचन के जरिए

कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति देकर वाहवाही हासिल की। मुख्य अतिथि संतोष द्विवेदी ने कहा कि बच्चों को संस्कारित शिक्षा के साथ सामाजिक गतिविधियों के प्रति जागरूक किये जाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबंधक मंगलेश यादव तथा संचालन सत्येन्द्र कुमार ने किया। इस मौके पर धीरेन्द्र त्रिपाठी, कृपाशंकर यादव, आस्था यादव, जिया, शास्त्री सोरभ, पप्पू सिंह, मुन्ना शुक्ला आदि रहे।

तीन दिन से लापता किशोर का शव कुएं में मिलने से मचा हड़कंप

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। जिले के नवाबगंज थाना क्षेत्र के शेखपुर धनापुर गांव के कमलेश सरोज पुत्र जवाहरलाल (20) वर्षीय विगत तीन दिनों से लापता होने पर शनिवार को गांव से लगभग एक किमी दूरी पर पुराने कुएं में उतरता शव मिलने से हड़कंप मच गया।

मालूम हो कि मृतक कमलेश बुधवार की शाम घर से शौच जाने को कह कर घर से निकला था जो काफी देर हो जाने के बाद भी वापस घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने गांव व आसपास खेत खलिहानों व चौराहे व नातेदारी रिश्तेदारी में फौन लगाकर पता किया लेकिन कोई पता नहीं चला

जिससे परिजन लोग किसी अनहोनी की आशंका को लेकर काफी परेशान थे। शनिवार को सुबह लगभग 7 बजे मृतक

परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, मचा कोहराम

कमलेश का भाई आशीष शौच के लिए खेत की तरफ गया था तभी रास्ते में एक पुराने कुएं में अंदर पानी में मृतक का शव उतरता हुआ दिखाई पड़ा और कुएं के पास मृतक का मोबाइल बन्द पड़ा था देखते ही घर भाग कर परिजनों को कमलेश का शव कुएं में मिलने की जानकारी दी। परिजन रोते बिलखते हुए

दौड़कर कुएं के पास पहुंचे शव देख चीख पुकार मच गई मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई परिजनों ने शव मिलने की जानकारी नवाबगंज थाना प्रभारी सुधीर कुमार सोनी को दी जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी के साथ एस आई सुरेंद्र सिंह मयफोरस के घटना स्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकलवाया और घटना की जानकारी कुंडा सीओ अजीत सिंह को दिया गया मिलते ही कुंडा सीओ भी मौके पर पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण करते हुए परिजनों से पूछताछ किया।

बता दें कि मृतक कमलेश पांच भाई व पांच बहनों में

सबसे छोटा था जिसमें चार भाई व तीन बहन की शादी हो चुकी थी दो बहनें और मृतक कमलेश की शादी नहीं हुई थी। पुलिस ने शव की लिखा पढ़ाई करके पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया इस बाबत जानकारी करने पर थाना प्रभारी सुधीर कुमार सोनी ने बताया कि मृतक के भाई अखिलेश कुमार ने हत्या की आशंका जताते हुए अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी है जिसमें पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है बाकी पीएम रिपोर्ट के आने के बाद जो भी हो विधिक कार्रवाई करने की बात कही घटना को लेकर परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

समाधान दिवस में बावन शिकायतों में तीन का निस्तारण, वकीलों ने सौंपा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। तहसील समाधान दिवस में बावन शिकायतों में अफसरों ने तीन का निस्तारण कराया। समाधान दिवस में जिले के एसपी पश्चिमी तथा एसडीएम व सीओ ने शिकायतों की सुनवाई की। इधर समाधान दिवस में अधिवक्ताओं ने विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा।

लालगंज तहसील सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस में सर्वाधिक शिकायतें राजस्व विभाग की पचीस व पुलिस विभाग की पन्द्रह रही। वहीं विकास विभाग आठ तथा अन्य विभागों से जुड़ी सात शिकायतों की अफसरों ने सुनवाई की। जिले के एसपी पश्चिमी रोहित मिश्र ने पुलिस से जुड़ी शिकायतों को लेकर कुछ मामलों में दोबारा शिकायत देख उदयपुर एसओ को जमकर फटकार लगायी। एसपी बोले जिला मुख्यालय के साथ समाधान दिवस में भी उदयपुर से जुड़ी शिकायतें ज्यादा मिल रही हैं। एसडीएम उदयवर्धन सिंह ने भी राजस्वविभाग के शिकायतों के समाधान में मौके पर न जाने की

अधिकांश शिकायतों पर जमकर कर्रा किया। सीओ रामसूरत सोनकर ने भी शिकायतों की सुनवाई करते हुए पुलिसकर्मियों को जमीनी विवाद में राजस्व टीम के साथ ही मौके पर जाने की हिदायत दी। इधर समाधान दिवस में संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने विभिन्न समस्याओं को लेकर डीएम को

संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में तहसील में वाहन पार्किंग तथा लेखपालों की साप्ताहिक हजिरी सुनिश्चित कराए जाने पर जोर दिया गया है। अध्यक्ष अनिल महेश ने कहा कि गोशालाओं में आवंटित धनराशि में ब्लाकों में घपला हो रहा है। इसके कारण छुट्टा मवेशियों के चलते किसानों की फसल नष्ट हो रही है। पूर्व अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने नगर चैक पर

डगमामारी के चलते हो रही असुविधाओं पर प्रशासन से समाधान की मांग उठाई। ज्ञापनदाताओं में उपाध्यक्ष लाल विनोद सिंह, उपाध्यक्ष शैलेन्द्र चतुर्वेदी, महामंत्री धीरेन्द्र शुक्ल, नीतेश त्रिपाठी, सत्यम त्रिपाठी, इमरान खान, विपिन शुक्ल, विनोद मिश्र, हरिनारायण पाण्डेय, नवनीत पाण्डेय आदि अधिवक्ता रहे।

बुद्ध पूर्णिमा पर आंग्गी विदुषी पूज्य भिखुनी पड़जा थैरी

प्रतापगढ़। आगामी 5 मई त्रिविधि पावनी बुद्ध पूर्णिमा को सुगतानन्द बुद्ध विहार में होने वाले आध्यात्मिक कार्यक्रम में बौद्ध दर्शन व ध्यान साधना के अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिलब्ध अग्रणी भिखुनी पूज्य पड़जा थैरी ने अपनी सहमति प्रदान किया है। मूलतः म्यानमार में जन्मी अनुभवसिद्ध विदुषी पूज्य पड़जा थैरी सुत और अभिधम्म का समन्वय है। यह जानकारी देते हुए राकेश कन्नोजिया ने बताया कि राज्य सूचना आवुक्त किरणबाला चैधरी, मनीषा गौयल व आचार्य राजेश चन्द्रा सहमति के साथ महानिदेशक पर्यटन उओप्र शासन का इस आध्यात्मिक कार्यक्रम में आने की संभावना है।



सहकारी संघ के चुनाव में निर्विरोध पदाधिकारी।

सहकारी संघ के चुनाव में कन्हैयालाल विश्वकर्मा तथा रामआसरे निर्विरोध चुने गए अध्यक्ष

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी में सहकारी संघ के चुनाव में कन्हैयालाल विश्वकर्मा तथा राम आसरे पुष्पजीवी को निर्विरोध अध्यक्ष बनाया गया। पट्टी ब्लाक सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन करके दोनों पदाधिकारियों को सम्मानित भी किया गया। पट्टी ब्लाक सभागार में ब्लाक प्रमुख राकेश कुमार सिंह पप्पू सिंह

की अगुवाई में कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें उन्होंने बताया कि कोआपरेटिव संघ पट्टी तथा शरमा गांव में निर्विरोध अध्यक्ष का चुनाव किया गया। जिसमें पट्टी से कन्हैया लाल विश्वकर्मा को अध्यक्ष तथा शरमा गांव से रामआसरे पुष्पजीवी को अध्यक्ष बनाया गया। राम आसरे रमईपुर दिशिनी के रहने वाले हैं तो

वहीं कन्हैयालाल पुरानी पट्टी के निवासी हैं। ब्लाक प्रमुख पट्टी राकेश कुमार सिंह ने कहा कि दोनों अध्यक्ष अपने कार्यों का बखूबी निर्वहन करेंगे इसका हमें पूर्ण विश्वास है। उन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना किया तथा समय-समय पर सहयोग देने की भी बात कही।

कौशाम्बी संदेश

सांसद एवं अध्यक्ष ने निपुण प्रमाण-पत्र एवं मोमेन्टों देकर किया सम्मानित

सांसद एवं अध्यक्ष, जिला पंचायत ने स्कूल चलो अभियान एवं संचारी रोग नियन्त्रण अभियान कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर किया शुभारम्भ, छात्र-छात्राओं का नामांकन शत-प्रतिशत सुनिश्चित किया जाय, कोई भी बच्चा छूटने न पाये- सांसद

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। सांसद विनोद सोनकर एवं अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती कल्पना सोनकर ने उदयन समागार में आयोजित शैक्षिक सत्र 2023-24 में स्कूल चलो अभियान एवं संचारी रोग नियन्त्रण अभियान कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ तथा प्राथमिक विद्यालय में नव-प्रवेशी छात्र-छात्राओं-सुमित, आकिब, रानी, आयत एवं अशिका को रोली टीका लगाकर व स्कूल बैग देकर स्वागत किया इस अवसर पर सांसद एवं अध्यक्ष जिला पंचायत ने जिलाधिकारी द्वारा गोद लिये गये प्राथमिक विद्यालय, बबुरा के निपुण (शासन द्वारा निर्धारित दक्षता प्राप्त) छात्र-छात्राओं यथा-कक्षा-01 की अंकिता एवं शौर्य, कक्षा-02 की खुशी एवं साबरीन, कक्षा-03 की अम्बिका एवं शिवराज को निपुण प्रमाण-पत्र एवं मोमेन्टों देकर सम्मानित किया तथा छात्र-छात्राओं को पाठ्य पुस्तक का वितरण भी किया। सांसद ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आज पूरे प्रदेश में एक साथ स्कूल चलो अभियान एवं संचारी रोग नियन्त्रण



छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित करती जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर साथ में सांसद विनोद सोनकर अभियान शुरू किया गया है, ये समाज के 02 महत्वपूर्ण कार्य भी हैं। उन्होंने सामज के सभी वर्गों को स्कूल चलो अभियान एवं संचारी रोग नियन्त्रण अभियान से जोड़ते हुए इन अभियानों को सफल बनाने का आवाह किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज की जरूरत है शिक्षा से वंचित एक भी बच्चा आने वाले समय में समाज के ऊपर बोझ बनता है। उन्होंने कहा कि कोविड के समय समाज के सभी वर्गों ने मिलकर कार्य किया तथा जनपद में कोविड

अध्यापकों से भी अपेक्षा की कि स्कूल चलो अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए सोशल मीडिया पर डीपी लगायें तथा शत-प्रतिशत नामांकन में ग्राम प्रधानों एवं सचिव, ग्राम पंचायतों का भी सहयोग लिया जाय उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की संकल्पना है कि वर्ष-2047 तक भारत को एक भारत-श्रेष्ठ भारत बनाया जाय, यह तभी सम्भव है जब समाज के सभी वर्ग मिलकर एक साथ कार्य करें तथा समाज नशामुक्त एवं शिक्षायुक्त हों उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार, एक सम्वेदनशील सरकार है, जिसका परिणाम है कि आज एक अप्रैल को सभी विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को प्रेरित किया जाय कि शासन द्वारा भेजी गयी धनराशि का उपयोग छात्र-छात्राओं के ड्रेस आदि में ही उपयोग किया जाय सांसद ने कहा कि जनपद कौशाम्बी का इतिहास गौरवशाली एवं वैभवशाली रहा है। कौशाम्बी को देश दुनिया के पर्यटन मार्गचक्र पर स्थापित करने के लिए अनेक विकास के कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने

कहा कि सांसद खेल स्पर्धों में इस बार 16 हजार 500 से अधिक खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया है तथा 07, 08 एवं 09 अप्रैल को आयोजित कौशाम्बी महोत्सव का उद्घाटन गृहमंत्री, भारत सरकार अमित शाह द्वारा किया जायेगा। जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने कहा कि स्कूल चलो अभियान एवं संचारी रोग नियन्त्रण अभियान मुख्यमंत्री के सर्वोच्च प्राथमिकताओं में हैं। उन्होंने कहा कि संचारी रोग नियन्त्रण अभियान के प्रति अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जाय। सभी सम्बन्धित विभाग आपसी समन्वय कर संचारी रोग नियन्त्रण अभियान को सफल बनायें। उन्होंने कहा कि लक्ष्य के सापेक्ष छात्र-छात्राओं का नामांकन शत-प्रतिशत सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने कहा कि स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है तथा ऑपरेशन कायाकल्प के तहत आधारभूत सुविधाओं का विकास किया गया है/किया जा रहा है इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 सुप्रेन्द्र कुमार एवं जिला बेसिक शिक्षाधिकारी प्रकाश सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण एवं प्रेम चौधरी उपस्थित रहे।

संचारी रोग नियन्त्रण अभियान रैली को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। सांसद विनोद सोनकर एवं अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती कल्पना सोनकर ने स्कूल चलो अभियान एवं संचारी रोग नियन्त्रण अभियान जन-जागरूकता रैली को कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया इस अवसर पर पूर्व विधायक लाल बहादुर, जिलाधिकारी सुजीत कुमार, पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव, मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 सुप्रेन्द्र कुमार एवं जिला बेसिक शिक्षाधिकारी प्रकाश सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण एवं प्रेम चौधरी उपस्थित रहे। जनपद में विशेष संचारी रोग नियन्त्रण अभियान 01 अप्रैल से 30 अप्रैल 2023 तक तथा दत्तक अभियान 17 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलाया जायेगा जिसके अन्तर्गत जनपदवासियों को मच्छरों से बचाव एवं संक्रामक रोगों से बचाव के उपायों के विषय में जागरूक किया जायेगा। मच्छरों से बचाव के लिए-दरवाजों व खिड़कियों पर जाली लगवाने, निर्गमित मच्छरदानी का



संचारी रोग नियंत्रण वाहन को हरी झंडी दिखाते सांसद और डीएम

प्रयोग करने, मच्छररोधी उपाय अपनाने, अनुपयोगी वस्तुओं में पानी इकट्ठा न होने देना, पानी की टंकी पूरी तरह से ढक कर रखने, पूरी बोह वाली कमीज पैंट और मोजे पहनने, घर और कार्य स्थल के आस-पास पानी जमा न होने देना, कूलर व गमलों आदि को साप्ताहिक में खाली कर सुखाने एवं गठ्ठों में जहाँ पानी इकट्ठा हो, उसे मिट्टी से भर देना आदि के प्रति जागरूक किया जायेगा। इसी प्रकार संक्रामक रोगों से बचाव के लिए-

नालियों में जल-जमाव रोकने एवं नियमित सफाई करने, जानवर बाड़े घर से दूर रखने, जंगली झाड़ियों को नियमित साफ करने, चूहे/छकूंदरों से बचने, पीने के लिए इण्डिया मार्क-2 के पानी का प्रयोग करने, खाने से पहले साबुन से हाथ धोने, खुले में शौच न करने तथा निर्गमित शौचालय का प्रयोग करने, कुपोषित बच्चों का विशेष ध्यान रखने एवं बच्चों को जेठे0 के दोनों टीके लगवाने आदि के प्रति भी जागरूक किया जायेगा।



छात्रों को पुस्तक देती रेनु वर्मा या स्कूल के शिक्षक

कम्पोजिट विद्यालय परसरा में शिक्षण सत्र के पहले दिन गर्मजोशी के साथ छात्रों का किया गया स्वागत

भरवारी कौशाम्बी। शिक्षण सत्र के पहले दिन कम्पोजिट सरकारी विद्यालय परसरा में पहुंचे छात्र-छात्राओं का शिक्षकों ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के निर्देश पर पूरे कौशांबी जिले के सरकारी विद्यालयों में 01 अप्रैल को विद्यालय का नया सत्र शुरू होता है और 01 अप्रैल को विद्यालय पहुंचे छात्र-छात्राओं का शिक्षकों ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया है और उन्हें पुस्तकें वितरित किया डीएम द्वारा नामित नोडल अधिकारी बाल विकास परियोजना अधिकारी रेनु वर्मा ने कहा कि विद्यालय सत्र के पहले दिन बच्चों को पुस्तकें दी जा रही है उन्हें पठन-पाठन में दिवक्त नहीं होगी बच्चे मन लगाकर पढ़ाई करें विद्यालय सत्र के पहले दिन विद्यालय पहुंचे बच्चों का शिक्षकों ने गर्मजोशी से स्वागत किया विद्यालय के प्रधानाध्यापक रविंद्र मिश्रा द्वारा बच्चों का नामांकन किया गया तथा बच्चों को रिपोर्ट कार्ड वितरण किया गया और साथ ही बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया 01 अप्रैल से शुरू हो रहे विद्यालय सत्र में विद्यालय पहुंचने वाले बच्चों को मिष्ठान का वितरण भी किया गया इस मौके पर प्रधानाध्यापक रविंद्र मिश्रा सहायक अध्यापक नींदू रावसेना सहायक अध्यापक धीरज सिंह सहायक अध्यापक सरिता चौधरी सहायक अध्यापक विवेक मिश्रा सहायक अध्यापक सुचित्रा विवरकर्मा नैना लव कुश आदि शिक्षक उपस्थित है।

सेवानिवृत्त के बाद याद किए जाएंगे उपनिरीक्षक के कार्य : कोतवाल

अखंड भारत संदेश

कोखराज कौशाम्बी। थाना कोखराज में तैनात रहे सेवानिवृत्त उपनिरीक्षक के सेवानिवृत्त होने के उपरान्त उनके सम्मान में विदाई समारोह कार्यक्रम आयोजित कर उप निरीक्षक को माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया गया और उन्हें अंग वस्त्र भेंट किया गया स्वागत समारोह सम्मान कार्यक्रम के अवसर पर एसओ कोखराज विनोद कुमार मौर्य के साथ थाने के समस्त उपनिरीक्षक पुलिसकर्मी और महिला पुलिसकर्मी मौजूद रहे। कोखराज थाना अध्यक्ष विनोद कुमार मौर्य द्वारा सेवानिवृत्त उपनिरीक्षक रमाकांत मिश्रा को फूलों की माला व साल ओढा कर भावभीनी विदाई की गयी। विदाई समारोह के दौरान उप निरीक्षक रमाकांत मिश्रा के कार्यों का उल्लेख करते हुए थाना अध्यक्ष विनोद कुमार मौर्य ने कहा कि ड्यूटी के दौरान उप निरीक्षक द्वारा अपने कार्यों का सही तरीके से निर्वहन किया गया उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय लोगों के बीच इनके कार्यों व गरीबों की मदद करने की तमाम लोगों ने सहायता किया तथा अपराधियों को हमेशा कड़ी कार्रवाई कर दंडित करने का कार्य किया उप निरीक्षक द्वारा पुलिस कर्तव्य का पालन करते हुए जीवन में सही तरीके से नौकरी का निर्वाहन किया उप निरीक्षक विदाई समारोह के अवसर पर अपने पूरे परिवार के साथ लोगों के सुखद जीवन की कामना की और पुलिस कर्मी व क्षेत्र के लोगों का आभार व्यक्त किया उपनिरीक्षक रमाकांत ने कहा

उप निरीक्षक रमाकांत मिश्रा को सेवानिवृत्त होने पर एसओ कोखराज ने समस्त पुलिस कर्मियों के साथ माला पहनाकर भावभीनी विदाई कर लम्बी उम्र की कामना की



कि रिटायरमेंट के बाद अब परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए तथा परिवार में उपस्थित सभी छोटे बड़े बुजुर्गों का सम्मान कर जीवन को जीना चाहिए विदाई के दौरान थाना परिसर में भव्य समारोह का आयोजन किया गया, इस दौरान पुलिस कर्मी व क्षेत्रीय लोगों की उपस्थिति रही।

अधिवक्ता नर नारायण मिश्रा के सम्मान में सिराथू तहसील में सम्मान समारोह आयोजित

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। फरियादियों के हितों में काम करने वाले और लंबे समय से उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक भूमि विकास बैंक के लगातार अध्यक्ष जनपद न्यायालय बाए एसोसिएशन और तहसील बाए एसोसिएशन के लंबे समय तक अध्यक्ष रहे वरिष्ठ अधिवक्ता नर नारायण मिश्रा को प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने अंग वस्त्र और माल्यार्पण कर सम्मानित किया था कौशांबी जिले के अधिवक्ता के सम्मान की जानकारी मिलने के बाद नर नारायण मिश्रा के सम्मान में लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं शनिवार को सिराथू तहसील में अधिवक्ताओं ने सम्मान समारोह आयोजित कर नर नारायण मिश्रा का जोरदार तरीके से स्वागत किया है। स्वागत समारोह में उपस्थित अधिवक्ताओं ने कहा कि उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक भूमि विकास बैंक में 48 वर्षों से लगातार नर नारायण मिश्रा एडवोकेट अध्यक्ष चुने जाते हैं नर नारायण मिश्रा के इस ऐतिहासिक रिकॉर्ड पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री चिकित्सा स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक सहकारिता मंत्री प्रबंध निदेशक ने वीटेंडो लखनऊ के कार्यक्रम में नर नारायण मिश्रा एडवोकेट को माल्यार्पण कर अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया था नर नारायण मिश्रा को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक द्वारा सम्मानित किए जाने की जानकारी मिलने के बाद जिले और तहसील के अधिवक्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई और मंगलवार को जनपद मुख्यालय मंडनपुर में अधिवक्ताओं ने सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन कर वरिष्ठ अधिवक्ता नर नारायण मिश्रा को सम्मानित किया था और



सम्मान समारोह को संबोधित करते वरिष्ठ अधिवक्ता नर नारायण मिश्रा

शनिवार को सिराथू तहसील प्रांगण में फिर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जहाँ उन्हें माल्यार्पण कर अधिवक्ताओं ने उनका जोरदार तरीके से स्वागत किया है और उन्हें बधाई दी है इस मौके पर उपस्थित अधिवक्ताओं ने नर नारायण मिश्रा द्वारा बैंक के प्रति किए गए कार्यों की भूमि भूमि प्रशंसा की साथ ही साथ नर नारायण मिश्रा एडवोकेट को सम्मानित किए जाने पर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक सहकारिता मंत्री प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक भूमि विकास बैंक लखनऊ के प्रति आभार व्यक्त किया है बैंक में तहसील से लेकर जिले तक के तमाम अधिवक्ता उपस्थित रहे सिराथू तहसील अधिवक्ता संघ तहसील एडवोकेट वेलफेयर एसोसिएशन सिराथू के अध्यक्ष बालेद धर द्विवेदी पूर्व अध्यक्ष बरसंत सिंह सहित तमाम अधिवक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए।

भागवत कथा के श्रवण से मन को सत्य व ज्ञान की होती है प्राप्ति

गोपी उद्धव संवाद व रुक्मिणी विवाह के प्रसंग पर भाव विभोर हुए श्रद्धालु



अखंड भारत संदेश

कौशांबी। नगर पंचायत सिराथू के कैथनबाग में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन शनिवार को कथा व्यास ने कहा कि भागवत कथा के श्रवण से मान को सत्य व ज्ञान की प्राप्ति होती है। इससे मोह शोक व भय का नाश होता है और मनुष्य को भौतिक, दैहिक और दैविक पापों से मुक्ति मिलती है। कहा रुक्मिणी साक्षात् लक्ष्मी का स्वरूप थी जो मन की मन भगवान श्री कृष्ण का पति मान चुकी थी। कथा व्यास आचार्य डॉ अखिलेश महाराज ने कहा कि जब गोपियों को पता चला कि उद्धव श्री कृष्ण का संदेश लेकर आए है तो वह उनके पास

पहुंची और श्यामसुन्दर का समाचार पूछ तक उद्धव ने कहा कि गोपियों भगवान श्री कृष्ण सर्वव्यापी है वह तम्हारे हृदय व जड़ चेतन में व्याप्त हैं। प्रियतम का यह संदेश सुनकर गोपियों को प्रसन्नता हुई और उन्हें शुद्ध ज्ञान प्राप्त हुआ। गोपियों में श्री कृष्ण भक्ति से उद्धव इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने गोपियों की चरण रज की वंदना करते हुए कहा कि अगले जन्म में गोपियों की चरण रज से पवित्र वृंदावन की लता, औषधि, झाड़ी आदि बनू। कथा व्यास ने कहा कि संसार में किसी की आशा न रखना ही सबसे बड़ा सुख है। इसके बाद कथा व्यास ने श्री कृष्ण रुक्मिणी विवाह का प्रसंग सुनाते हुए

गोर्वधन लीला का वर्णन सुन श्रोता हुए मंत्रमुग्ध

कौशांबी। नगर पंचायत सिराथू के कैथनबाग में भक्ति की बयार बह रही है। श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन शुक्रवार को कथा व्यास ने नरसिंह अवतार के साथ गोर्वधन लीला का संगीतमयी वर्णन किया। कहा कि जब भगवान श्री कृष्ण नंद गांव पहुंचे तो वहां पर इन्द्र के पूजा की तैयारी चल रही थी। भगवान ने यज्ञ बंद करवा दिया। इसके बाद अहंकारी इन्द्र ने भीषण वर्षा की। इन्द्र का घमंड चकनाचूर करने के लिए भगवान ने गोर्वधन पर्वत को अंगुली में उठाते हुए नंद गांव के लोगों की रक्षा की। गोर्वधन लीला का वर्णन सुन श्रोता भाव विभोर हो गए। जय श्री कृष्ण के जयकारे से कथा पंडाल गुंजायमान हो उठे। कैथन बाग में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन कथा श्रवण के लिए भारी भीड़ जुटी। कथा का शुभारंभ यजमान सरजू प्रसाद पांडेय व उनकी धर्मपत्नी गिरजा पांडेय ने भावत पुराण व व्यास महाराज का पूजन-अर्चन कर किया। कथा व्यास आचार्य डॉ अखिलेश महाराज ने श्रोताओं को कथा श्रवण कराते हुए कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने अपनी लीलाओं से जहां कंस के भेजे गए विभिन्न राक्षसों का संहार किया। एक बार इन्द्र को अपनी अपनी सत्ता और शक्ति पर घमंड हो गया था। उसका गर्व दूर करने के लिए भगवान ने ब्रज मंडल में इन्द्र की पूजा बंद कराते हुए गोर्वधन की पूजा शुरू करा दिया। इससे गुस्साए इन्द्र ने ब्रज मंडल में भारी बरसात करती जल प्रलय से लोगों को बचाने के लिए भगवान श्री कृष्ण ने कनिष्ठा उल्लो



के साथ रुक्मिणी विवाह का प्रसंग सुन श्रद्धालु झूम उठे। कथा पंडाल जय श्री कृष्ण के जयकारे से गुंजायमान हो उठा। इस मौके पर कोखराज के अध्यक्ष अनिरुद्ध पांडेय, वेद प्रकाश पाठक, कमलाकांत पांडेय, शिवकृत पांडेय आदि मौजूद लोग रहे।

कथा आयोजक अनिरुद्ध पांडेय, वेद प्रकाश पाठक, कमलाकांत पांडेय, शिवकृत पांडेय आदि मौजूद लोग रहे।

न्यूज झरोखा

गैंगेस्टर एक्ट के तहत अनुमानित कीमत लगभग 23 लाख 21 हजार रुपये की अचल सम्पत्ति कुर्क

कौशांबी। धारा 2/3 (1) गैंगेस्टर एक्ट थाना सराय अकिल से सम्बन्धित अभियुक्त सुरेश चंद शुक्ला पुत्र राजनारायण निवासी बुद्धपुरी कस्बा व थाना सराय अकिल द्वारा अपराधिक कृत्य से अर्जित संपत्ति करवा बुद्धपुरी सराय अकिल में 36612 फिट पक्का मकान अनुमानित कीमत लगभग 23 लाख 21 हजार रुपये की संबंधित से जानकारी प्राप्त कर जिलाधिकारी को उचित माध्यम धारा 14 (1) गैंगेस्टर एक्ट के तहत जब्ती करण हेतु रिपोर्ट प्रेषित की गई थी जिस पर जिलाधिकारी द्वारा वाद संख्या 28/2023 में 06/03/2023 के माध्यम से आदेश पारित किया गया कि उक्त संपत्ति को तत्काल प्रभाव से कुर्क करने का आदेश देते हुए तहसीलदार चालू को अंकित अचल संपत्ति का प्राधिकारी / प्रशासक नियुक्त किया गया। उक्त आदेश के अनुपालन में नियमानुसार सर्व सम्बन्धित से समन्वय स्थापित कर अभियुक्त उपरिक्त की संपत्ति को धारा 14 (1) गैंगेस्टर एक्ट के तहत कुर्क की कार्यवाही अमल में लायी गई।



हाई वोल्टेज विद्युत खंभे से टकराकर पलटी ट्रक एक गंभीर कोखराज कौशांबी। हरियाणा से प्रयागराज की तरफ जा रहा तेज रफ्तार कंटेनर कोखराज थाना क्षेत्र के काशिय पश्चिम पेट्रोल पंप व नवजीवन ट्रामा संत अस्पताल के पास शनिवार की भोर 4:00 हाई वोल्टेज विद्युत पोल से टकराकर पलट गया है जिससे कंटेनर के आगे जा रहा अण्डे कंटेनर के नीचे दब गई है हाई वोल्टेज विद्युत पोल से टकराने के बाद कंटेनर में आग लग गई है इस हादसे में एक व्यक्ति झुलस गया जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है कंटेनर पलटने से सड़क पर अफरा-तफरी मच गई मौके पर भीड़ लग गई मामले की सूचना पाकर घटनास्थल पर पुलिस पहुंची है और सड़क से जाम हटाया है दुर्घटना के बाद कंटेनर और अपने में आग लग गई और देखते देखते दोनों वाहन धू-धू कर जलने लगे। जानकारी के मुताबिक कंटेनर नंबर एच 55 टी 7450 हरियाणा से प्रयागराज की तरफ जा रहा था शनिवार की भोर में जैसे ही कंटेनर कोखराज थाना क्षेत्र के काशिया पश्चिम नवजीवन अस्पताल पेट्रोल पंप के पास पहुंचा अचानक अनियंत्रित होकर हाई वोल्टेज विद्युत पोल से टकरा कर कंटेनर पलट गया इस हादसे में कंटेनर के नीचे अण्डे दब गई बताया जाता है कि ट्रक चालक ट्रक से कूदकर फरार हो गया है और ट्रक का खलासी मुकेश पुत्र ब्रह्मदेव यादव निवासी कटरा बाजार सोनपुर थाना कोडरनी संत रविदास नगर भदोही गंभीर रूप से झुलस गया है सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल मुकेश कुमार को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है।

परीक्षा में धोखाधड़ी करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

कौशांबी। थाना पिपरी अंतर्गत 31 मार्च 2023 को शम्भुनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन इलावा, प्रयागराज के परीक्षा निरीक्षक अभिषेक कुमार पाण्डेय द्वारा सूचना दी गयी कि उत्तर प्रदेश सिविल कोर्ट स्ट्राफ सेंट्रल/इण्डियन रिफ्रैक्टमेंट 2022-23 के टाइपिंग परीक्षा में परीक्षार्थी के फोटो व फिंगर प्रिंट का मिलान नहीं हो पा रहा है इनकी लिखित परीक्षा किसी और ने पास की है। इस सूचना पर थाना पिपरी पर मुकदमा उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम पंजीकृत कर अभियुक्त अजय कुमार सरोज पुत्र लालजी सरोज निवासी कस्तूरपुर थाना होलावा जेनपद प्रयागराज को गिरफ्तार कर अभियुक्त से पूछताछ करने पर पाया गया की इनकी लिखित परीक्षा किसी और ने पास की है विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।



शिक्षण सत्र के पहले दिन छात्रों का किया गया स्वागत कौशांबी। शिक्षण सत्र के पहले दिन सरकारी विद्यालय में पहुंचे छात्र-छात्राओं का शिक्षकों ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया है उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के निर्देश पर पूरे कौशांबी जिले के सरकारी विद्यालयों में 01 अप्रैल को विद्यालय का नया सत्र शुरू होता है और 01 अप्रैल को विद्यालय पहुंचे छात्र-छात्राओं का शिक्षकों ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया है उच्च प्राथमिक विद्यालय कक्षा 1 से 8 तक बहादुरपुर मंडनपुर में विद्यालय की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका सोनी केसरवानी के द्वारा बच्चों का नामांकन किया गया तथा बच्चों को रिपोर्ट कार्ड वितरण भी किया गया और साथ ही बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया 01 अप्रैल से शुरू हो रहे विद्यालय सत्र को लेकर के विद्यालय पहुंचने वाले बच्चों को मिष्ठान का वितरण भी किया गया जिसमें एसएमसी अध्यक्ष खुशनुमा गा ग्राम प्रधान राजकली देवी भी उपस्थित रही और विद्यालय की सहायक अध्यापक संगीता कुमारी पवन कुमार यादव तथा नरेंद्र सिंह शिक्षामित्र राकेश कुमार ज्योत्सना यादव वा गांव के अभिभावक तथा रसोईया भी उपस्थित रहे।

सकिया दमदारी से लड़ाएगी नगर पंचायत का चुनाव

कौशांबी। समर्थ किसान पार्टी की मासिक बैठक शनिवार को जिला कार्यालय मंडनपुर में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता पार्टी नेता अजय सोनी ने की। बैठक में नगर पंचायत चुनाव को लेकर चर्चा हुई। बैठक में तय हुआ कि पार्टी के तत्वावधान में जिले की सभी नगर पंचायतों में पार्टी के उम्मीदवार उतारे जाएं। इस संबंध में यह तय हुआ कि सभी नगर पंचायतों में पूरी लाकट और मजबूती के साथ चुनाव लड़ाया जाए। अजय सोनी ने कहा कि जल्द ही पार्टी के उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की जाएगी। इस अवसर पर प्रेमचंद केसरवानी, शैलेंद्र मिश्रा, अरविंद सिंह बघेल, वीरेंद्र तिवारी, भगवानदीन वर्मा, वरुण कसेरा, वेद यादव, राजवंत सिंह, नरेश सरोज, परिरा सिंह लोधी, मिथुन गौतम, जुमन अली आदि लोग मौजूद रहे।



लगजरी कार में ट्रक ने मारी टक्कर, पलटी कार भरवारी कौशांबी। मंडनपुर कोतवाली क्षेत्र के नियामतपुर पुल के आगे छिन्नी के पुरवा के पास लगजरी कार सवारों को पीछे से ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी है जिससे कार सड़क के किनारे पलट गई है हादसे के वक्त कार सवारों ने कार से कूदकर जान बचाई हादसे में किसी को गंभीर चोटें नहीं आई है सूचना पाकर मौके पर मंडनपुर कोतवाली पुलिस पहुंच कर बचाव और राहत का कार्य कर रही है जानकारी के मुताबिक चिकित्सक जनपद के कवीं निवासी सुजीत कुमार पुत्र नरेशकिशोर अपने परिजनों साथियों के साथ कोखराज थाना क्षेत्र के मूरतगंज शेरगढ़ गए थे शनिवार की शाम लगभग 4:00 बजे सुजीत कुमार अपने परिजनों साथियों के साथ कार से सवार होकर वापस चिकित्सक जा रहे थे जैसे ही वह मंडनपुर कोतवाली क्षेत्र के नियामतपुर पुल के आगे छिन्नी के पुरवा के पास पहुंचे कि पीछे से आ रहे ट्रक ने उनकी कार में जोरदार टक्कर मार दी है जिससे लगजरी कार सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई है हादसा देखकर अस्पताल खेतों में काम कर रहे किसान और सड़क से गुजर रहे शर्मा घरानास्थल पर रुक गए हैं बताया जाता है कि इस हादसे में किसी को गंभीर चोटें नहीं आई हैं दुर्घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया है पुलिस ने ट्रक और कार को अपने कब्जे में ले लिया है कार में सवार अन्य लोगों का नाम पता नहीं मालूम चल सका है।



लगजरी कार में ट्रक ने मारी टक्कर, पलटी कार भरवारी कौशांबी। मंडनपुर कोतवाली क्षेत्र के नियामतपुर पुल के आगे छिन्नी के पुरवा के पास लगजरी कार सवारों को पीछे से ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी है जिससे कार सड़क के किनारे पलट गई है हादसे के वक्त कार सवारों ने कार से कूदकर जान बचाई हादसे में किसी को गंभीर चोटें नहीं आई है सूचना पाकर मौके पर मंडनपुर कोतवाली पुलिस पहुंच कर बचाव और राहत का कार्य कर रही है जानकारी के मुताबिक चिकित्सक जनपद के कवीं निवासी सुजीत कुमार पुत्र नरेशकिशोर अपने परिजनों साथियों के साथ कोखराज थाना क्षेत्र के मूरतगंज शेरगढ़ गए थे शनिवार की शाम लगभग 4:00 बजे सुजीत कुमार अपने परिजनों साथियों के साथ कार से सवार होकर वापस चिकित्सक जा रहे थे जैसे ही वह मंडनपुर कोतवाली क्षेत्र के नियामतपुर पुल के आगे छिन्नी के पुरवा के पास पहुंचे कि पीछे से आ रहे ट्रक ने उनकी कार में जोरदार टक्कर मार दी है जिससे लगजरी कार सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई है हादसा देखकर अस्पताल खेतों में काम कर रहे किसान और सड़क से गुजर रहे शर्मा घरानास्थल पर रुक गए हैं बताया जाता है कि इस हादसे में किसी को गंभीर चोटें नहीं आई हैं दुर्घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया है पुलिस ने ट्रक और कार को अपने कब्जे में ले लिया है कार में सवार अन्य लोगों का नाम पता नहीं मालूम चल सका है।



लगजरी कार में ट्रक ने मारी टक्कर, पलटी कार भरवारी कौशांबी। मंडनपुर कोतवाली क्षेत्र के नियामतपुर पुल के आगे छिन्नी के पुरवा के पास लगजरी कार सवारों को पीछे से ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी है जिससे कार सड़क के किनारे पलट गई है हादसे के वक्त कार सवारों ने कार से कूदकर जान बचाई हादसे में किसी को गंभीर चोटें नहीं आई है सूचना पाकर मौके पर मंडनपुर कोतवाली पुलिस पहुंच कर बचाव और राहत का कार्य कर रही है जानकारी के मुताबिक चिकित्सक जनपद के कवीं निवासी सुजीत कुमार पुत्र नरेशकिशोर अपने परिजनों साथियों के साथ कोखराज थाना क्षेत्र के मूरतगंज शेरगढ़ गए थे शनिवार की शाम लगभग 4:00 बजे सुजीत कुमार अपने परिजनों साथियों के साथ कार से सवार होकर वापस चिकित्सक जा रहे थे जैसे ही वह मंडनपुर कोतवाली क्षेत्र के नियामतपुर पुल के आगे छिन्नी के पुरवा के पास पहुंचे कि पीछे से आ रहे ट्रक ने उनकी कार में जोरदार टक्कर मार दी है जिससे लगजरी कार सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई है हादसा देखकर अस्पताल खेतों में काम कर रहे किसान और सड़क से गुजर रहे शर्मा घरानास्थल पर रुक गए हैं बताया जाता है कि इस हादसे में किसी को गंभीर चोटें नहीं आई हैं दुर्घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया है पुलिस ने ट्रक और कार को अपने कब्जे में ले लिया है कार में सवार अन्य लोगों का नाम पता नहीं मालूम चल सका है।



लगजरी कार में ट्रक ने मारी टक्कर, पलटी कार भरवारी कौशांबी। मंडनपुर कोतवाली क्षेत्र के नियामतपुर पुल के आगे छिन्नी के पुरवा के पास लगजरी कार सवारों को पीछे से ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी है जिससे कार सड़क के किनारे पलट गई है हादसे के वक्त कार सवारों ने कार से कूदकर जान बचाई हादसे में किसी को गंभीर चोटें नहीं आई है सूचना पाकर मौके पर मंडनपुर कोतवाली पुलिस पहुंच कर बचाव और राहत का कार्य कर रही है जानकारी के मुताबिक चिकित्सक जनपद के कवीं निवासी सुजीत कुमार पुत्र नरेशकिशोर अपने परिजनों साथियों के साथ कोखराज थाना क्षेत्र के मूरतगंज शेरगढ़ गए थे शनिवार की शाम लगभग 4:00 बजे सुजीत कुमार अपने परिजनों साथियों के साथ कार से सवार होकर वापस चिकित्सक जा रहे थे जैसे ही वह मंडनपुर कोतवाली क्षेत्र के नियामतपुर पुल के आगे छिन्नी के पुरवा के पास पहुंचे कि पीछे से आ रहे ट्रक ने उनकी कार में जोरदार टक्कर मार दी है जिससे लगजरी कार सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई है हादसा देखकर अस्पताल खेतों में काम कर रहे किसान और सड़क से गुजर रहे शर्मा घरानास्थल पर रुक गए हैं बताया जाता है कि इस हादसे में किसी को गंभीर चोटें नहीं आई हैं दुर्घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया है पुलिस ने ट्रक और कार को अपने कब्जे में ले लिया है कार में सवार अन्य लोगों का नाम पता नहीं मालूम चल सका है।

जन संपादकीय

म्यूटंत्र में बदलता लोकतंत्र!

दयानन्द मिश्र 'शुभम'
भारतीय कानून और कोर्ट के फ़ैसले का सम्मान है लेकिन जो कालक्रम है जिसका आरोप कांग्रेस भी लगा रही है। उसको लेकर जरूर संदेह किया जा सकता है कि मानहानि के केस में पहली बार किसी नेता को जेल की सजा मुकर्रर किया गया और वो भी अधिकतम। आश्चर्य इस बात पर भी है कि जिस कर्नाटक के कोल्हार में दिए भाषण पर राहुल को सजा हुई है। उस पर चुनाव आयोग ने सज़ान क्यों नहीं लिया? एक बार एक आदमी डॉक्टर के पास गया और बोला- डॉक्टर साब शरीर में जहां भी उंगली लगाता हूँ वहां दर्द होता है। डॉक्टर ने पूरे शरीर को चेक किया तो पता चला समस्या शरीर में नहीं, उंगली में है। ठीक वैसे ही 2014 के बाद वाली भाजपा ये बात बहुत पहले समझ गई थी कि 'सच और सत्ता' के बीच में जो मैकनिज्म आ रहा है वो है 'लोकतंत्र'। दरअसल लोकतंत्र ही वो उंगली है जो समूचे विपक्ष, जनता, मीडिया और अन्य संगठन जो विपक्ष की भूमिका में हैं उनको ऑक्सीजन दे रहा है। तो क्या जनता के लिए, जनता के द्वारा और जनता के सवाल वाली प्रक्रिया से भाजपा सत्ता में आई थी अब उसी तंत्र को म्यूट कर देना चाहती है?

ये सवाल लगातार विपक्ष के द्वारा उठाया जा रहा है कि सरकार लोकतंत्र का अंत्येष्टि कर देना चाहती है। संसद में जनता के सवाल पर माइक म्यूट कर देती है तो सड़क पर सवाल पूछने वालों के यहां सरकारी एजेंसियों को भेज कर ताकत का तलक दुरुपयोग कर रही है। ताजा घटना का जिक्र करें तो जिस तरीके से राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द की गई, ये लोकतंत्र को म्यूटंत्र में बदलने का खुला उद्घोष सा लगता है। आखिर क्या राहुल को इसलिए संसद से म्यूट करा दिया गया क्योंकि वो लगातार सरकार से अडानी, चीन, अर्थव्यवस्था, कौनी कैप्टलिज्म, महंगाई और बेरोजगारी पर सवाल पूछ रहे थे? ये सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाते हैं कि राहुल के संसद में दिए पिछले भाषण को 18 जगह से स्पंज किया गया। भारतीय कानून और कोर्ट के फ़ैसले का सम्मान है लेकिन जो कालक्रम है जिसका आरोप कांग्रेस भी लगा रही है। उसको लेकर जरूर संदेह किया जा सकता है कि मानहानि के केस में पहली बार किसी नेता को जेल की सजा मुकर्रर किया गया और वो भी अधिकतम। आश्चर्य इस बात पर भी है कि जिस कर्नाटक के कोल्हार में दिए भाषण पर राहुल को सजा हुई है। उस पर चुनाव आयोग ने सज़ान क्यों नहीं लिया? और सजा गुजरात के सूरत में मिली। गुजरात मांडल का डंका 2014 से ही इस देश में गूँज रहा है। मंदर ऑफ़ डेमोक्रेसी को म्यूटंत्र में बदलने को बल इस बात से भी मिल रहा है कि 2014 के पहले भाजपा, सरकार को घेरने के लिए जिन नारों का सहारा लेती थी अब उन्हीं नारों और पोस्टर पर दिल्ली में एफआईआर व गिरफ्तारियां हो जाती हैं। कन्नाड एक्टर के हिंदुत्व पर दिए बयान पर जेल हो जाता है, तो पवन खेड़ा को एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया जाता है। देश के प्रमुख जांच एजेंसियों के छोपे विपक्ष के नेताओं पर ही क्यों पड़ रहे हैं? और ये वही नेता क्यों होते हैं जो लगातार सत्तापक्ष के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं? क्या भाजपा के सभी नेता पाक साफ हैं?

और अगर नहीं तो उनपर छापा क्यों नहीं? इसलिए कि वो म्यूट है सवाल ये भी है कि विपक्ष में रहते जिन नेताओं पर आरोप लगाता है वो भाजपा में आते ही आरोप मुक कैसे हो जाते हैं? एडीआर रिपोर्ट की ही माने तो देश में 233 सांसदों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे लंबित हैं जिनमें 159 सांसदों के खिलाफ हत्या, बलात्कार और अपहरण के गंभीर मामले लंबित हैं। जिनमें भाजपा के 116 सांसद दागी हैं। इन सांसदों पर कार्रवाई कब होगी? इन सारे मुद्दों पर विपक्ष लगातार हमलावर है। तो क्या इन कार्रवाइयों से विपक्ष के अंदर खौफ पैदा किया जा रहा है या सरकार अपने सत्ता के लिए इन नेताओं से खौफजदा है इसलिए कार्रवाई कर रही है? परिणाम चाहे जो भी हो लेकिन एक बात तो स्पष्ट है सामान्यजन जो बहुत सारी समस्याओं से पहले से जूझ रहा है वो अब और डर जाएगा और हो सकता है कि सच बोलने से पहले कांपने भी लगे। अगर सरकार सच में विपक्ष के म्यूटंत्र के आरोपों को खारिज करना चाहती है तो उसे जनता, छोटे मीडिया और सवाल पूछने वाले लोगों को भरोसा और ताकत देना होगा। विपक्ष जो सवाल उठा रहा है उसपर प्रधानमंत्री सहित सरकार के शीर्ष लोगों को जवाब देना होगा।

साबित करना होगा कि वो एक लोकतंत्र के प्रहरी के तौर पर काम कर रहे हैं और सभी प्रकार के आलोचनाओं को स्वीकार करते हैं क्योंकि लोकतंत्र जन और सत्ता के भरोसे से चलता है। अटल जी कहा करते थे 'सत्ता का खेल तो चलेगा, सरकारें आएंगी-जाएंगी, पार्टियां बनेगी बिगड़ेगी, मगर यह देश रहना चाहिए। इस देश का लोकतंत्र अमर रहना चाहिए।

यह भारतीय लोकतंत्र की कठिन परीक्षा का दौर

जगदीश रत्नानी

राहुल गांधी की दोषसिद्धि के गुण-दोष, सजा, परिस्थितियों और शिकायतकर्ता के कहने पर कार्रवाई पर बीच में रोक की जांच आने वाले दिनों में की जाएगी। कांग्रेस पार्टी खुद इस सजा पर रोक लगाने के लिए कदम उठाएगी। फिर भी भारत दुनिया के सामने जो बड़ी कहानी सुना रहा है, कि भारत में सबसे पुरानी राजनैतिक पार्टी का सबसे महत्वपूर्ण सदस्य क्रोनिज्म, अडानी समूह तथा उस समूह के उस समय के सत्तारूढ़ अभिजात वर्ग के साथ संबंधों पर कतिपय बहुत ही असहज सवाल उठाने के तुरंत बाद संसद से बाहर है- उसके सामने ये तात्कालिक कदम महत्वहीन हैं। मानहानि के मामले में सूरत की एक अदालत द्वारा दो साल की सजा सुनाए जाने के बाद राहुल गांधी को लोकसभा की सदस्यता से तत्काल अयोग्य करार दिया जाना (कपिल सिब्बल के शब्दों में 'अजीब') हाल के वर्षों में भारत के लोकतांत्रिक मानकों के तेजी से गिरने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। हाल ही में अमेरिका में सिलिकॉन वैली बैंक के डूबने के मद्देनजर हमारे बैंकों के लिए 'स्ट्रेस टेस्ट' की बात की जा रही है। अगर भारतीय लोकतंत्र के लिए इसी तरह का स्ट्रेस टेस्ट होता तो राष्ट्र और उसके लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने वाली संस्थाओं का खराब प्रदर्शन नजर आता क्योंकि कई घटनाओं ने राजनीतिक सरगमी बढ़ा दी है, राजनीतिक बहस को निरुपयोगी साबित किया है तथा विपक्षी दलों को इसके विरोध में एकजुट कर दिया है। निश्चित रूप से राहुल गांधी की दोषसिद्धि के गुण-दोष, सजा, परिस्थितियों और शिकायतकर्ता के कहने पर कार्रवाई पर बीच में रोक की जांच आने वाले दिनों में की जाएगी। कांग्रेस पार्टी खुद इस सजा पर रोक लगाने के लिए कदम उठाएगी। फिर भी भारत दुनिया के सामने जो बड़ी कहानी सुना रहा है, कि भारत में सबसे पुरानी राजनैतिक पार्टी का



सबसे महत्वपूर्ण सदस्य क्रोनिज्म, अडानी समूह तथा उस समूह के उस समय के सत्तारूढ़ अभिजात वर्ग के साथ संबंधों पर कतिपय बहुत ही असहज सवाल उठाने के तुरंत बाद संसद से बाहर है- उसके सामने ये तात्कालिक कदम महत्वहीन हैं। कहानी जैसे-जैसे आगे बढ़ेगी, सारा ध्यान राहुल गांधी को चुप कराने की कोशिश, अडानी घोटाले, हिंडनबर्ग के आरोपों के मद्देनजर जेपीसी जांच की मांग और राहुल द्वारा उठाये मुख्य सवाल पर रहेगा कि अडानी के शेयरों में किसका पैसा लगाया जा रहा था? संसद से बाहर होने के बाद राहुल इन सवालों को लोगों तक ले जाने, राजनीतिक विमर्श बनाने के लिए और अधिक सुसज्जित हो गए हैं। राजनीतिक रूप से कम से कम कुछ भाजपा समर्थकों सहित कई पर्यवेक्षकों को चिंता होगी कि राहुल पर हमला और संसद में उन्हें चुप कराने का प्रयास राहुल को नायक बना सकता है। ऐसे जांच आने वाले दिनों में की जाएगी। कांग्रेस पार्टी खुद इस सजा पर रोक लगाने के लिए कदम उठाएगी। फिर भी भारत दुनिया के सामने जो बड़ी कहानी सुना रहा है, कि भारत में सबसे पुरानी राजनैतिक पार्टी का

और समय के साथ इसका भाजपा पर असर नजर आ सकता है या संभवतः नजर भी न आए। फिलहाल, जिस हद तक भाजपा को इस मामले में दोषी के रूप में देखा जाता है और यह कि वह राहुल की अयोग्यता से लाभान्वित होने वाली पार्टी है, देश और दुनिया इस बात को नोट करेगी कि भाजपा अपने उठाए कदमों के आने वाले नतीजों की परवाह नहीं करती है। विपक्षी नेताओं के खिलाफ दर्ज मामलों की संख्या, महाराष्ट्र में सरकार गिराने, दिल्ली में आप सरकार पर डाले गए दबाव और राजनीति पर थोपे जा रहे कई कंठ दबावों को मिलाकर यह जताने की कोशिश की जाती है कि जो भी उनके खिलाफ खड़ा होगा, उसे कुचल दिया जाएगा। इस समय की राजनीति में क्रोध, कड़वाहट यहां तक कि बदला लेने और अनवरत बदमाशी की भावना प्रतीत होती है। यह सत्ता के शीर्ष स्तर पर बैठे कुछ लोगों का मानसिक

हम दूसरे मुद्दे पर पहले विचार करेंगे। दूसरे यानी लोकतंत्र की बहुप्रशंसित प्रकृति पर विचार करें तो इस प्रकृति की तत्काल या धीमी मृत्यु हो सकती है। अचानक तख्तापलट, किसी महत्वाकांक्षी सैन्य अधिकारी का पैलेस पर कब्जा करना, एक ऐसा देश जो दिवालिया हो रहा है, जिसके पास कोई विदेशी मुद्रा नहीं बची है या लड़ाई के समय सड़कों और जंगलों में सैनिकों के रूप में काम करने वाले एक-दूसरे से लड़ रहे लोग हैं, वह एक ऐसा समय होता है जब लोकतंत्र का पतन होता है और किसी महत्वाकांक्षी तानाशाह का उदय होता है। हमने सोचा कि यह भारत में नहीं बल्कि कहीं और हुआ है। निश्चित रूप से यह सच है क्योंकि लोकतंत्र की रक्षा के लिए निमित्त मानक उपायों के माध्यम से भारतीय लोकतंत्र आज भी मजबूत है- हमारे यहां हर पांच साल में चुनाव होते हैं, केंद्र और राज्यों में सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण होता है, सेना पेशेवर है, संसद की बैठकें होती हैं, विधेयक पारित होते हैं और कुछ बहसें होती हैं। वास्तव में राहुल गांधी से संबंधित अधिकांश कार्रवाइयों को वर्ष 2024 के आगामी चुनावों से जोड़ा जा रहा है। इसलिए लोकतांत्रिक संस्थाओं को लोकतंत्र की रक्षा करने के लिए आवश्यक और सुचारु रूप से काम करने के लिए हर चीज मौजूद है। फिर भी यह स्पष्ट भावना है कि सच कुछ खाली हो गया है, खोखला हो गया है और ये संस्थाएं एक बड़े राष्ट्र की बजाय किसी दिए गए प्रतिष्ठान के लिए काम कर रही हैं।

ने देश को नकारात्मकता की चपेट में फंसे एक राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इसके लोकतांत्रिक संस्थाओं का स्वरूप बिगाड़ दिया गया है और इसके समूह इतिहास को अंदर से लूट लिया गया है। भारत को खोखला कर दिया गया है। यह भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं तथा लोकतंत्र की बहुप्रशंसित प्रकृति के बारे में क्या कहता है? हम दूसरे मुद्दे पर पहले विचार करेंगे। दूसरे यानी लोकतंत्र की

राहुल को करना है मोदी का मुकाबला

सुशील कुट्टी

हर विश्लेषण, हर पूर्वाभास को दरकिनार कर कहा जाता है कि पहली धारणा ही आखिरी धारणा बन जाती है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव कांग्रेस और राहुल गांधी के लिए 'मोदी-अडानी' को परखने का पहला अवसर होगा। यह देखने को मिलेगा कि कथित भ्रष्टाचार के मुद्दे ने मतदाता-वरीयताओं को कितना प्रभावित किया है ऐसे समय में जब अधिसंख्य मीडिया को एक अलग ही सूत कातने के लिए तैयार रखा गया है। एक चरण में कर्नाटक विधानसभा चुनाव 10 मई को होगा। यह मुख्य रूप से 3-पार्टी की दौड़ है, जिसमें भाजपा, कांग्रेस और एच डी कुमारस्वामी की जनता दल (एस) घरेलू, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया की पूरी चकाचौंध में लड़ रही हैं। कर्नाटक के चुनाव हाल के राजनीतिक उथल-पुथल के बाद लड़े जा रहे पहले बड़े चुनाव हैं, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उनके बिजनेस टाइकून मित्र गौतम अडानी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी शामिल शामिल रहे हैं। राहुल गांधी ने अदम्य उत्साह के साथ कर्नाटक से ही अपनी चम्पारत जोड़ो यात्रा का नेतृत्व किया था। वह कर्नाटक के लिए कर्नाटक के लिए 'जीवन और मृत्यु' का मामला है। गांधी वंशज राहुल ने खुद को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए प्राथमिक चुनौती के रूप में रखा है, और उन दोनों के लिए कर्नाटक हारना या जीतना उन्हें जी-20 का चर्चित बिंदु बना देगा। भारत ने पिछले साल दिसंबर में 2023 के लिए जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की थी और तब से, कर्नाटक सहित पूरे भारत में जी-20 कार्यक्रम चल रहे हैं। विदेशी प्रतिनिधियों की दृष्टि से यहां की राजनीतिक उथल-पुथल ओझल नहीं रहा है। कुछ ही समय पहले अमेरिकी विदेश विभाग ने संसद से राहुल गांधी की अयोग्यता पर अपने नाराजगी व्यक्त की।



हो सकता है, आखिरकार, संयुक्त राज्य अमेरिका भारत में होने वाली घटनाओं से 'बेखबर' न हो। पूरी दुनिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को एक-दूसरे के आरोपों को चकमा देते हुए देख रही होगी, क्योंकि कर्नाटक में प्रचार प्रतिष्ठा दांव पर होगी; उनमें से कोई भी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से लंबा नहीं है, जिनके लिए कर्नाटक गृह-राज्य है, और एक सुगम राजनीतिक शिकार का मैदान है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि पार्टी तंत्र की कमान संभालने के बाद खड़गे का यह पहला बड़ा चुनाव होगा। पहले से ही, खड़गे को राहुल गांधी के बड़े प्रमाण विकल्पों के एक महत्वहीन पक्ष के रूप में देखा जाता है। लेकिन इस चुनाव से खड़गे के पास यह साबित करने का मौका है कि वह अपने किस्म के मजबूत आदमी हैं और किसी के विद्वेषक नहीं हैं। दलित कांग्रेस अध्यक्ष के 'दलित-हुड' की परीक्षा होगी। क्या और दलित वोट कांग्रेस के

खेमे में आयेगे? इतना कहे जाने के बाद भी यह मानना पड़ेगा कि केवल कर्नाटक में जीत ही कांग्रेस का कायाकल्प कर सकती है, और 2023 के शेष पांच विधानसभा चुनावों के लिए इसे फिर से जीवंत कर सकती है। कांग्रेस खुद को विपक्ष का तेज हो गया है। किसकी किस्मत डूबती है और किसकी किस्मत हिट होती है? दोनों पार्टियों के कई बड़े नेता भी हैं जिनकी प्रतिष्ठा दांव पर होगी; उनमें से कोई भी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से लंबा नहीं है, जिनके लिए कर्नाटक गृह-राज्य है, और एक सुगम राजनीतिक शिकार का मैदान है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि पार्टी तंत्र की कमान संभालने के बाद खड़गे का यह पहला बड़ा चुनाव होगा। पहले से ही, खड़गे को राहुल गांधी के बड़े प्रमाण विकल्पों के एक महत्वहीन पक्ष के रूप में देखा जाता है। लेकिन इस चुनाव से खड़गे के पास यह साबित करने का मौका है कि वह अपने किस्म के मजबूत आदमी हैं और किसी के विद्वेषक नहीं हैं। दलित कांग्रेस अध्यक्ष के 'दलित-हुड' की परीक्षा होगी। क्या और दलित वोट कांग्रेस के

अन्यथा, भारत जोड़ो यात्रा में बिताया गया समय राहुल गांधी के राजनीतिक 'सीवी' में एक और छेद होगा, और माना जायेगा कि राहुल के कैलेंडर से चार महीने

से अधिक का अंतराल बर्बाद हो गया। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की छवि आंतरिक रूप से 2024 से जुड़ी हुई है। कांग्रेस और, विशेष रूप से, राहुल गांधी 2024 के लिए कांग्रेस की योजनाओं के लिए 'भारत जोड़ो यात्रा' के महत्व को नजरअंदाज या कम नहीं कर सकते। इसलिए भी, क्योंकि राहुल गांधी पार्टी के स्टार प्रचारक होंगे, जो कर्नाटक से अपना चुनाव अभियान शुरू करेंगे। राहुल गांधी अपने कर्नाटक अभियान की शुरुआत कोलार से करेंगे, वही जगह जहां से उन्होंने सवाल किया था: 'क्या सभी 'मोदी' उपनाम वाले चोर हैं?'

असली सवाल यह है कि क्या कांग्रेस में डटे रहने और लड़ने और जीतते रहने की सहनशक्ति है? विपक्ष का नेतृत्व करने के लिए एक बड़ी हार उसके भाग्य को सील कर देगी। यदि कांग्रेस कर्नाटक में हार के साथ शुरुआत करती है, जिसके लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को दोष दान होगा, तो कोई भी महत्वाकांक्षी क्षेत्रीय क्षत्रप कांग्रेस नेतृत्व को स्वीकार नहीं करेगा। कांग्रेस कार्यकर्ता खड़गे को रायपुर

अभिवेशन में 'अनुशासन, एकजुटता और पूर्ण एकता के साथ काम करने' का आह्वान करना नहीं भूलेंगे। यह खड़गे ही थे जिन्होंने 2024 के 'सर्व-महत्वपूर्ण' लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी की दिशा तय की, जिसे पार्टी ने 'भारत के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण' बताया। लेकिन राहुल गांधी भी कर्नाटक में हार की स्थिति में उसके दुष्भाव से दूर नहीं रह पायेंगे। राहुल गांधी के कर्नाटक चुनाव अभियान का नेतृत्व करने के साथ, राहुल के पास जिम्मेदारी और जवाबदेही से बचने का कोई रास्ता नहीं है।

अगर कर्नाटक पार्टी अध्यक्ष चुने जाने के बाद खड़गे के लिए पहली बड़ी परीक्षा होगी, तो यह राहुल गांधी के लिए भारत के लोगों को यह साबित करने का मौका होगा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जितने अच्छे हैं, और शायद उनसे कहीं बेहतर हैं, जैसा कि समर्थकों के दिग्गजों का दावा है। हर चीज, हर विश्लेषण, हर पूर्वाभास को दरकिनार कर कहा जाता है कि पहली धारणा ही आखिरी धारणा बन जाती है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव कांग्रेस और राहुल गांधी के लिए 'मोदी-अडानी' को परखने का पहला अवसर होगा। यह देखने को मिलेगा कि कथित भ्रष्टाचार के मुद्दे ने मतदाता-वरीयताओं को कितना प्रभावित किया है ऐसे समय में जब अधिसंख्य मीडिया को एक अलग ही सूत कातने के लिए तैयार रखा गया है। 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को राज्य में लौटने के लिए मजबूर करेंगे जो उनके हाथों से फिसल रहा है।

2023 के अब तक के तीन महीनों में, मोदी ने कर्नाटक के 13 दैरे किये हैं और चुनाव के दिन के एक महीने में, वह संभवतः 13 और करेंगे। ऐसा ही उनके राजनीतिक लेफ्टिनेंट केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी करेंगे। वैसे तो '13' एक अशुभ अंक माना जाता है।

सत्ता की जूती

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा अपने समय के मशहूर फरार डाकू निरंदासुर फरारी कर से उतरकर रेड कॉर्पेट पर चलते हुए एक बहुत बड़े पांडाल में पहुँचे। पांडाल पर सजा मंच वतातुकूलित था। निरंदासुर अपने समय के कागजी बी.ए. डिग्रीदारी थे। बाद में पता नहीं लोगों के बीच डराने-धमकाने का ऐसा कौनसा कोर्स किया कि उनकी व्यावहारिक बी.ए. (बहुत अत्याचार) डिग्री में वृद्धि हुई। कागजी बी.ए. और व्यावहारिक बी.ए. के जोड़ से अब उनका एक नया अवतार प्रकट हुआ और वह था हबाबाहू (बी.ए.+बी.ए.)। मंच पर विदेशी ब्रांड के सोफे पर विराजमान होते हुए वे अपना प्रवचन सुनाने लगे अपनी तूती मनवाने के लिए स्वार्थ की जूती को काम पर लगाना पड़ता है। इसके प्रहार से आत्मा जागती है। दुश्मन भाग खड़े होते हैं। दौड़ से दौड़

दुश्मन सीबीआई, ईडी, आईटी, पुलिस किसी न किसी उरता ही है। उसका सही समय पर इस्तेमाल करने से कई लाभ होते हैं। यह शरीर एवं मन को जड़ता, कामनाओं के जंजाल से मुक्त करती है। शत्रुओं की चारों खाने चित करती है। महादौट शत्रुओं के लिए न्यायालय का सहारा लेना पड़ता है। न्यायाधीशों को जब में उतारना पड़ता है। न्यायालय के दरवाजे के पीछे उनसे डील कर उन्हें अपने पक्ष में फैसला सुनाने के लिए पदेनान्ति अथवा राज्यपाल जैसे पदों का लालच देना पड़ता है। तब कहीं जाकर महादौट शत्रुओं का काम तमाम होता है। सत्ता की जूती शत्रुओं के हृदय की चरम परम मोहग्रस्त भावुकता को छुड़ाने में अत्यंत उपयोगी है। यह आतंशचरना की जगाती है। यह तो लूटने वाले नेताई मन एवं वोट रूपी जन का परिणाम

है। जब-जब शत्रुओं के दिग्गम में थोड़ा-बहुत एक होने की क्षमता का विकास होता है तब-तब वह जूती उन्हें बेफिजूल सोचने और हरकतें करने से रोकती है। ऐसी जूती का सत्ता में होना बहुत जरूरी है। इसके बिना सत्ता के तैयारों का पता नहीं चलता है। उदाहरण के लिए फलाना शत्रु नेता पदयात्रा करते हुए अपनी हवा बनाने की कोशिश करने की चेष्टा करता है, तब उसके किए धराए पानी फेरने के लिए सत्ता की जूती का इस्तेमाल करते हुए उसे ऐसे केस में जेल की सजा सुनानी पड़ती है जहाँ चोर को चोर कहना उसके लिए भारी पड़ जाए। फिर उस शत्रु नेता का पद, राजनीति करने की जमीन और उसका क्वार्टर छीनना पड़ता है। यह जूती आगे चलकर इन शत्रु नेताओं को इतना विवश करती है कि जीना-मरना हथम हो जाता है।

अमेरिका-यूरोपीय देश रूस-पाक से खफा

संजीव अमेरिका तथा यूरोपीय संघ के देश रूस के तानाशाही रवैया और पाकिस्तानी उधारी वापस न किए जाने एवं धोखेबाजी से सख्त नाराज दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका के 22 सांसदों ने पाकिस्तान में पल रहे आतंकवादी संगठनों के खिलाफ अमेरिकी सेंनेट में एक बिल पेश किया है। इस बिल में तालिबान और पाकिस्तान पर मुसीबत के पहाड़ टूट पड़ेंगे। पाकिस्तान वैसे बड़ी कंगाली और तंगहाली से गुजर रहा है और बिल पास होने के बाद अमेरिकी तथा यूरोपीय देशों की मदद पूरी तरह बंद हो जाएगी। अमेरिकी सांसद एवं अमेरिकी राष्ट्रपति पाकिस्तान की धोखेबाजी से बहुत ज्यादा नाराज दिखाई देते हैं। पाकिस्तान द्वारा अमेरिका को धोखे में रखकर

मंत्रि विदेश मंत्री रक्षा सचिव तथा विदेश सचिव के परामर्श के बाद राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के लिए पेश किया जाएगा। रक्षा विशेषज्ञ प्रोफेसर पंत का कहना है कि इस बिल को पास होने में ज्यादा दिक्कत एवं समय नहीं लगेगा। और यदि यह बिल पास किया जाता है तो पाकिस्तान पर मुसीबत के पहाड़ टूट पड़ेंगे। पाकिस्तान वैसे बड़ी कंगाली और तंगहाली से गुजर रहा है और बिल पास होने के बाद अमेरिकी तथा यूरोपीय देशों की मदद पूरी तरह बंद हो जाएगी। अमेरिकी सांसद एवं अमेरिकी राष्ट्रपति पाकिस्तान की धोखेबाजी से बहुत ज्यादा नाराज दिखाई देते हैं। पाकिस्तान द्वारा अमेरिका को धोखे में रखकर

लगातार तालिबानी आतंकवादियों को पाकिस्तान में पनाह देने और उन्हें आर्थिक तथा अस्त्र-शस्त्र की मदद देने का बड़ा दोषी पाया गया है। अमेरिकी सेंनेट ऑफ का कहना है कि पाकिस्तान अमेरिका से लगातार धोखेबाजी करता रहा है। अमेरिका सैनिकों की वापसी के समय पाकिस्तान तालिबानी आतंकवादियों को निरंतर खुफिया सूचनाएं अमेरिकी सैनिकों के बारे में देता रहा है इतना ही नहीं पंचशरीर घाटी में अफगानिस्तान इयों के खिलाफ आई एफ आई का खुफिया विभाग तालिबानी आतंकवादियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हवाई हमले कर अफगानी नागरिकों की नृशंस हत्या की और काबुल एयरपोर्ट में

बम ब्लास्ट में भी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ होना बताया गया है। पाकिस्तान ने लगातार तालिबान और उनके आतंकवादियों की मदद कर अपने आप को मुसीबत में डाल दिया है। अमेरिका के एक बड़े प्रतिबंध और बड़ी कार्रवाई पाकिस्तान तथा तालिबान के खिलाफ करने जा रहा है। जिसकी रूपरेखा अमेरिकी विदेश तथा सैन्य विभाग कर चुका है। यदि अमेरिकी संसद में बिल पास हो जाता है तो तंग हाल पाकिस्तान को मिलने वाली सारी आर्थिक मदद बंद कर दी जाएगी। पाकिस्तान की मिलने वाली वर्ल्ड बैंक इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड और एशियन डेवलपमेंट बैंक सारी आर्थिक मदद

तत्काल रूप से प्रतिबंधित कर दी जाएगी। यूरोपीय संघ के देशों के द्वारा भी अलग-अलग प्रारूपों में दी जा रही मदद भी बंद करके पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान को आर्थिक रूप से नाकाम कर दिया जाएगा। यह अत्यंत उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान से अमेरिका तथा यूरोप में किए जाने वाले निर्यात का 70% भाग इस प्रतिबंध से प्रभावित होगा। पाकिस्तान की लगातार अमेरिका की अवहेलना करना तथा उसे धोखे में रख आतंकवादियों को पनाह दे कर उनकी लगातार आर्थिक तथा सैन्य मदद करना पाकिस्तान को बहुत भारी पड़ने वाला है।

रूस ने भारत-चीन को बताया मुख्य सहयोगी, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा- दुनिया की शक्ति का केंद्र

लाहौर। रूस ने भारत और चीन को अपना दोस्त बताते हुए कहा है कि ये दोनों ही देश दुनिया में शक्ति के संप्रभु केंद्र हैं। दोनों देशों के साथ अपने संबंधों को व्यापक रूप से गहरा करने और उनके साथ समन्वय बढ़ाने को विशेष महत्व देने का भी संकल्प लिया है।

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ओर से अनुमोदित विदेश नीति के अपने नए सिद्धांत को पेश करते हुए रूस ने यह भी कहा कि अन्य देशों और बहुपक्षीय निकायों के प्रति उसका रवैया इसके संबंध में उनकी नीतियों के रचनात्मक, तटस्थ और अमैत्रीपूर्ण चरित्र पर निर्भर है। नई विदेश नीति में कहा गया है कि रूस यूरेशिया में भारत के साथ विशेषाधिकार रणनीतिक साझेदारी और द्विपक्षीय व्यापार की मात्रा बढ़ाने, निवेश और तकनीकी संबंधों को मजबूत करने पर जोर देगा। इसके अलावा अतिरिक्त राज्यों और उनके गठबंधनों के विनाशकारी कार्यों के प्रतिरोध को सुनिश्चित करेगा।

भारत से सभी क्षेत्रों में संबंध होंगे और मजबूत
रूस ने भारत के साथ परस्पर लाभकारी आधार पर सभी क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने और उसका विस्तार करने की भी बात कही है। इसमें यह भी कहा गया है कि यूक्रेन पर रूस के हमले के बावजूद भारत के साथ उसके संबंधों पर कोई असर नहीं पड़ा है और वह मजबूत बना हुआ है। पश्चिमी देशों की नाराजगी के बावजूद पिछले कुछ महीनों के दौरान रूस से भारत के कच्चे तेल के आयात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। रूस ने कहा है कि वह यूरेशिया को शांति, स्थिरता, विश्वास, विकास और समृद्धि के एक महाद्वीपीय साझा स्थान में बदलना चाहता है।

जापान ने जन्म दर बढ़ाने के लिए मसौदा नीति तैयार की

टोक्यो। जापान ने देश में गिरती जन्म दर से निपटने के लिए मसौदा नीति की रूपरेखा की घोषणा की है। इसमें चाइल्ड केयर भत्ते को बढ़ाने के अलावा अनेक संतान वाले परिवारों के लिए लाभ देना शामिल है। बाल नीति विभाग के प्रभारी मंत्री मसानोबु ओगुरा ने कहा है कि इस मसौदा नीति में कॉलेज शिक्षा छात्रवृत्ति का विस्तार किया गया है। ताकि एकल माता-पिता जन्मदर बढ़ाने में सहयोग करें। अधिकारियों का कहना है कि सरकार माता-पिता को बच्चे के पालन-पोषण में आने वाली वित्तीय समस्या को दूर करने में मदद करेगी। उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति दी जाए। जिन लोगों के कई बच्चे होंगे, उन्हें छात्र ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने इस मसौदा नीति को अंतिम कदम बताया है। उन्होंने कहा जल्द ही चाइल्ड केअर बजट को दोगुना किया जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार जापान में पिछले वर्ष जन्म दर में 5.1 प्रतिशत की गिरावट आई। 1899 के बाद यह सबसे बड़ी गिरावट है। जापान की वर्तमान आबादी में 65 साल से अधिक उम्र के लोगों की संख्या 29 फीसदी है। जबकि शून्य से 14 वर्ष उम्र के बच्चों की संख्या सिर्फ 11.6 फीसदी है। इस मसौदा नीति को जून में नई आर्थिक और राजकोषीय नीति के दिशा-निर्देशों में शामिल किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि किशिदा ने 23 जनवरी को संसद में दिए भाषण में इस मुद्दे को देश की जनता के सामने उठाया था।

पेशावर हाई कोर्ट की पहली महिला चीफ जस्टिस होंगी मसरत हिलाली, लेंगी शपथ



पेशावर। वरिष्ठ न्यायाधीश मसरत हिलाली पेशावर हाई कोर्ट की पहली महिला चीफ जस्टिस के रूप में शपथ लेंगी। 8 अगस्त, 1961 को पेशावर में जन्मी हिलाली ने खैबर लॉ कॉलेज पेशावर विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री प्राप्त की और 1983 में जिला अदालत में वकील के रूप में काम शुरू किया। 1988 में उच्च न्यायालय का रुख किया। 2006 में सर्वोच्च न्यायालय ने प्रैक्टिस शुरू की।

जॉर्जिया ने की हिंदूफोबिया की निंदा, हिंदू विरोधी कट्टरता के खिलाफ प्रस्ताव पारित करने वाला पहला राज्य

जॉर्जिया। यूएस जॉर्जिया असेंबली ने हिंदूफोबिया की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया है। ऐसा करने वाला यह पहला अमेरिकी राज्य बन गया है। हिंदूफोबिया और हिंदू-विरोधी कट्टरता की निंदा करते हुए, प्रस्ताव में कहा गया है कि हिंदू धर्म दुनिया के सबसे बड़े और शांति के मूल्यों के साथ विविध परंपराओं और विश्वास प्रणालियों की एक श्रृंखला शामिल है। यह प्रस्ताव लॉरेन मैकडॉनल्ड

और टॉड जोन्स द्वारा प्रस्ताव पेश किया गया था। ये जॉर्जिया के सबसे बड़े हिंदू और भारतीय-अमेरिकी समुदायों में से एक, अटलांटा के उपनगरों में फोसिथ काउंटी के प्रतिनिधि हैं। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि चिकित्सा, विज्ञान और इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, आतिथ्य, वित्त, शिक्षा, विनिर्माण, ऊर्जा, खुदरा व्यापार जैसे विविध क्षेत्रों में अमेरिकी-हिंदू समुदाय का प्रमुख योगदान रहा है। साथ ही योग, आयुर्वेद, ध्यान, भोजन, संगीत, कला के समुदाय के योगदान ने सांस्कृतिक ताने-बाने को भी समृद्ध किया है। इसे

अमेरिकी समाज में व्यापक रूप से अपनाया गया है। देश के कई



हिंदूफोबिया को कुछ शिक्षाविदों द्वारा संस्थागत रूप दिया गया है

हिंदूओं के गठबंधन के अटलांटा चैप्टर द्वारा कदम उठाया गया था। इन्होंने 22 मार्च को जॉर्जिया स्टेट कैपिटल में आयोजित पहले हिंदू एडवोकेसी डे का आयोजन किया था। इसमें लगभग 25 सांसदों ने भाग लिया। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों शामिल थे। CoHNA के उपाध्यक्ष राजीव मेनन ने कहा, 'रेप मैकडॉनल्ड और रेप जोन्स के साथ-साथ अन्य सांसदों के साथ काम करना एक सच्चा सम्मान था, जिन्होंने इस काउंटी प्रस्ताव को पारित करने की पूरी प्रक्रिया में हमारा मार्गदर्शन किया।' CoHNA की महासचिव शोभा स्वामी ने कहा, 'जॉर्जिया और देश

के बाकी हिस्सों में झूठे, हिंदूफोबिक नैरेटिव के माध्यम से हिंदू अमेरिकियों द्वारा सामना किए जाने वाले मुद्दे एक ऐसे समुदाय को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहे हैं जो मेहनती, कानून का पालन करने वाले और अमेरिका के ताने-बाने को समृद्ध करने वाले हैं।' उन्होंने कहा, 'हमने इस तरह की कट्टरता से निपटने में उनकी मदद का आग्रह किया, जो नफरत को बढ़ावा देती है। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदूओं और भारतीय मूल के लोगों को भेदभाव करने की कुछ अंतर्निहित प्रवृत्ति के आरोपों के कारण विशेष कानूनों और निगरानी की आवश्यकता है।

मेरिका की उपराष्ट्रपति का जाम्बिया दौरा, लुसाका में अपने भारतीय मूल के नाना से की मुलाकात

वाशिंगटन। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस इन दिनों जाम्बिया के दौर पर हैं। जाम्बिया पहुंचकर वह अपने नाना पीवी गोपालन से मिलने पहुंचीं। भारतीय मूल के पीवी गोपालन भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी थे जो अब में लुसाका में रहते हैं। हैरिस के नाना एक भारतीय सिविल सेवक रह चुके हैं। जाम्बिया की स्वतंत्रता के बाद 1966 में वह राहत उपायों और शरणार्थियों के निदेशक के रूप में सेवा करने के लिए लुसाका आए थे। उन्होंने देश के पहले राष्ट्रपति केनेथ कांडा के सलाहकार के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। जाम्बिया पहुंचने के बाद वहां के राष्ट्रपति हाकिडे हिचिलेमा के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कमला हैरिस ने संवाददाताओं से कहा- 'जैसा की आपलोग जानते हैं, यह यात्रा मेरे और मेरे परिवार के लिए विशेष महत्व रखता है।

जब मैं छोटी थी तब मैं जाम्बिया के बारे में बता रही थी जो उन्होंने यहां बनाए थे। उन दिनों वह



थे।' अपने बचपन के दिनों की याद करते हुए हैरिस ने कहा- 'मुझे अभी भी वह दिन याद है। मैं उस समय एक छोटी बच्ची थी और ये यादें बचपन की हैं। मुझे याद है कि यहां आने के बाद मैं बहुत उत्तेजित और खुश होती थी। हाल ही में मैंने अपनी चाची से बात की थी। उन्होंने मुझे उन रिश्तों

लुसाका सेंट्रल अस्पताल में डॉक्टरों के साथ काम करती थी।' बता दें कि कमला हैरिस जाम्बिया पहुंचने से पहले घाना और तंजानिया का भी दौरा कर चुकी हैं। बुधवार को तंजानिया पहुंचने के बाद उन्होंने गुरुवार को वहां की राष्ट्रपति सायिया सुलुहू हसन से मुलाकात भी की थी।

अभियोग का सामना करेंगे अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति, ट्रंप ने 24 घंटे में जुटाए 40 लाख अमेरिकी डॉलर

वाशिंगटन। अमेरिका के मैनहटन में ग्रैंड जूरी ने गुरुवार को पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर बड़ा फेसला सुनाया है। 2016 के चुनाव अभियान के दौरान एक एडवर्ट स्टार को चुप रहने के एवज में पैसे देने के लिए ट्रंप को दोषी ठहराया और अभियोग चलाने के पक्ष में मतदान किया। अब वह आपराधिक आरोपों का सामना करने वाले पहले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बन गए। अमेरिका के इतिहास में ऐसा पहली बार होने जा रहा है, जब किसी मौजूदा या पूर्व राष्ट्रपति पर आपराधिक मुकदमा चलेगा। वहीं ट्रंप की मंगलवार (4 अप्रैल) को मैनहटन आपराधिक अदालत में पेश किए जाने की उम्मीद है। वहीं

ट्रंप ने मैनहटन में ग्रैंड जूरी के मतदान के बाद 24 घंटे में 40



लाख डॉलर से अधिक राशि जुटाई है। इसको लेकर ट्रंप का भी बयान आया है। उन्होंने कहा कि उनका राजनीतिक उर्पीड़न किया जा रहा है और इतिहास में उच्चतम स्तर पर चुनाव में

हस्तक्षेप का प्रयास है। ट्रंप ने मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन को धमकी भी दी। कहा कि ये विच हंट उनपर भारी पड़ेगा।
ट्रंप ने और क्या कहा?
मैनहटन में ग्रैंड जूरी का फैसला आने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'यह इतिहास में उच्चतम

नेपाल के अनुरोध पर चीन ने रसुवागढ़ी-केरुंग क्रॉसिंग से दो तरफा यातायात की दी अनुमति



काठमांडू। नेपाल के बार-बार अनुरोध के बाद चीन ने शनिवार से रसुवागढ़ी-केरुंग क्रॉसिंग के जरिए दो तरफा यातायात की अनुमति दे दी। पिछले तीन साल से चीन ने अपनी तरफ से ही वाहन जाने की इजाजत दी थी, लेकिन अब नेपाल की तरफ से भी वाहन रसुवागढ़ी-केरुंग क्रॉसिंग से गुजर सकता है। नेपाल के रसुवा सीमा शुल्क कार्यालय के प्रमुख नारायण प्रसाद भंडारी ने बताया कि औपचारिक

उद्घाटन के बाद शनिवार से रसुवागढ़ी-केरुंग क्रॉसिंग को दो तरफा यातायात के लिए खोल दिया गया। उन्होंने बताया कि नेपाल के वाणिज्य सचिव मधु कुमार मरासिनी तिब्बत की राजधानी ल्हासा पहुंचे और चीनी अधिकारियों से बातचीत की। उसके बाद रसुवागढ़ी-केरुंग क्रॉसिंग को दो तरफा यातायात के लिए खोलने की अनुमति दी गई। भंडारी ने बताया कि मरासिनी के साथ ल्हासा के नेपाली महावाणिज्यदूत नवराज

दकाल भी रसुवागढ़ी क्रॉसिंग से गुजरे थे। एक तरफा यातायात से नेपाल के कारोबारियों और व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ था। चीन सिर्फ अपना माल नेपाल भेजता था और नेपाल का माल रोक देता था। वर्ष 2020 में चीन ने कोरोना महामारी के खतरे का हवाला देते हुए सीमा पर नेपाली नागरिकों का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया था, लेकिन चीन के लोग नेपाल में प्रवेश कर सकते थे।

पाकिस्तान पर मंडराने लगा है आतंकवाद का दस साल पहले जैसा खतरा

वाशिंगटन। रक्षा विशेषज्ञों ने राय जताई है कि पाकिस्तान पर ठीक उसी तरह आतंकवाद का खतरा मंडराने लगा है, जैसी हालत 2013 के आसपास थी। 2013 में औसतन रोजाना चार आतंकवादी हमले होते थे। उस वर्ष आतंकवादी कार्रवाइयों में 2,700 से ज्यादा लोगों की जान गई थी। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि 2023 में दस साल पहले

तीन आतंकवादी संगठनों का निशाना बना हुआ है। तहरीक-ए-तलिबान पाकिस्तान (टीटीपी), बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए), और इस्लामिक स्टेट ऑफ खोरासान प्रोविंस (आईएसकेपी) की गतिविधियां बेहद तेज हो चुकी हैं। आईएसकेपी आतंकवादी संगठन अफगानिस्तान को खोरासन प्रांत में स्थित है और आईएसआईएस की शाखा है। गुल के मुताबिक पिछले साल 28 नवंबर को टीटीपी ने पाकिस्तान सरकार के साथ चल रही अपनी बातचीत को एकतरफा ढंग से तोड़ दिया था। उसके बाद से उसने पाकिस्तान को खिलाफ युद्ध का एलान कर रखा है। इस संगठन की मांग है कि सात सीमाई इलाकों का विशेष दर्जा भीहाल किया जाए, जिनमें पाकिस्तान सरकार ने मई 2018

में रद्द कर दिया था। साथ वह दर्जनों आतंकवादियों की रिहाई खतरा बना हुआ है। पाकिस्तान के सरकारी अधिकारियों का आरोप है कि टीटीपी को अफगान तालिबान का संरक्षण मिला हुआ है। पाकिस्तान सरकार औपचारिक तौर पर काबुल स्थित अफगान सरकार से टीटीपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर चुकी है, लेकिन तालिबान ने इसे नजरअंदाज कर रखा है। तालिबान ने पाकिस्तान सरकार के आरोपों का खंडन किया है। आतंकवाद बढ़ने का कारण बने हुए हैं। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ रही होड़ इसमें प्रमुख है। प्रतिबंध लगाने की मांग कर रहा है। पाकिस्तान सरकार इनमें से किसी मांग को मानने से इनकार कर चुकी है। बीएलए बलूचिस्तान में चीन निमित्त परियोजनाओं को रोकने की मांग कर रहा है। पाकिस्तान के विशेषज्ञ इस संगठन को अलगाववादी बताते हैं। उनके मुताबिक इसका मकसद बलूचिस्तान को अलग देश बनाना है। आईएसकेपी चाहता है कि पाकिस्तान में शरीया कानून लागू कर कट्टर इस्लामी व्यवस्था लागू की जाए। इन दोनों संगठनों ने भी हाल में कई घातक हमले किए हैं। लेकिन भीषण हमलों के लिहाज से टीटीपी सबसे बड़ा

खतरा बना हुआ है। अफगानिस्तान के सरकारी अधिकारियों का आरोप है कि टीटीपी को अफगान तालिबान का संरक्षण मिला हुआ है। पाकिस्तान सरकार औपचारिक तौर पर काबुल स्थित अफगान सरकार से टीटीपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर चुकी है, लेकिन तालिबान ने इसे नजरअंदाज कर रखा है। तालिबान ने पाकिस्तान सरकार के आरोपों का खंडन किया है। आतंकवाद बढ़ने का कारण बने हुए हैं। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ रही होड़ इसमें प्रमुख है। प्रतिबंध लगाने की मांग कर रहा है। पाकिस्तान सरकार इनमें से किसी मांग को मानने से इनकार कर चुकी है। बीएलए बलूचिस्तान में चीन निमित्त परियोजनाओं को रोकने की मांग कर रहा है। पाकिस्तान के विशेषज्ञ इस संगठन को अलगाववादी बताते हैं। उनके मुताबिक इसका मकसद बलूचिस्तान को अलग देश बनाना है। आईएसकेपी चाहता है कि पाकिस्तान में शरीया कानून लागू कर कट्टर इस्लामी व्यवस्था लागू की जाए। इन दोनों संगठनों ने भी हाल में कई घातक हमले किए हैं। लेकिन भीषण हमलों के लिहाज से टीटीपी सबसे बड़ा

खतरा बना हुआ है। अफगानिस्तान के सरकारी अधिकारियों का आरोप है कि टीटीपी को अफगान तालिबान का संरक्षण मिला हुआ है। पाकिस्तान सरकार औपचारिक तौर पर काबुल स्थित अफगान सरकार से टीटीपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर चुकी है, लेकिन तालिबान ने इसे नजरअंदाज कर रखा है। तालिबान ने पाकिस्तान सरकार के आरोपों का खंडन किया है। आतंकवाद बढ़ने का कारण बने हुए हैं। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ रही होड़ इसमें प्रमुख है। प्रतिबंध लगाने की मांग कर रहा है। पाकिस्तान सरकार इनमें से किसी मांग को मानने से इनकार कर चुकी है। बीएलए बलूचिस्तान में चीन निमित्त परियोजनाओं को रोकने की मांग कर रहा है। पाकिस्तान के विशेषज्ञ इस संगठन को अलगाववादी बताते हैं। उनके मुताबिक इसका मकसद बलूचिस्तान को अलग देश बनाना है। आईएसकेपी चाहता है कि पाकिस्तान में शरीया कानून लागू कर कट्टर इस्लामी व्यवस्था लागू की जाए। इन दोनों संगठनों ने भी हाल में कई घातक हमले किए हैं। लेकिन भीषण हमलों के लिहाज से टीटीपी सबसे बड़ा

अब ह्यूमन राइट्स वॉच ने भी श्रीलंका में आईएमएफ की शर्तों पर उठाए सवाल

कोलंबो। एमनेस्टी इंटरनेशनल के बाद अब एक अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार संगठन ह्यूमन राइट्स वॉच ने भी श्रीलंका में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के आर्थिक सुधार कार्यक्रम पर सवाल उठाए हैं। ह्यूमन राइट्स वॉच ने ऐसी नीतियों अपनाए की मांग की है, जिनसे श्रीलंका में आम जन के आर्थिक और सामाजिक अधिकारों का और क्षरण न हो। इसके पहले एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा था कि आईएमएफ की शर्तों को लेकर वह इस अंतरराष्ट्रीय संस्था के अधिकारियों से बातचीत करेगा और उन्हें अपनी चिंता बताएगा। ह्यूमन राइट्स वॉच ने 'श्रीलंका: आईएमएफ एक ऋण से अधिकारों के क्षरण का खतरा' शीर्षक के साथ एक बयान जारी

किया है। इसमें कहा गया है कि यह संभव है कि आईएमएफ भविष्य में ऋण देने के लिए श्रीलंका सरकार पर भ्रष्टाचार विरोधी उपाय लागू करने की शर्त लगाए। उस स्थिति में श्रीलंका सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि भ्रष्टाचार विरोधी उपायों से प्रशासन में जवाबदेही आए। बयान में कहा गया है- 'सरकारी भ्रष्टाचार और टैक्स नियमों से धनी लोगों को लाभ हुआ, जो श्रीलंका के आर्थिक संकट का प्रमुख कारण है। इस कारण श्रीलंका के लोगों को अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्हीं लोगों पर और बोझ नहीं डाला जाना चाहिए।' ह्यूमन राइट्स वॉच ने कहा है कि चाहे युद्ध अपराध हों या कुशासन या दमन-सरकार को इन सभी मामलों में जवाबदेही तय

रानी चाहिए। विशेषज्ञों के बीच आम राय है कि श्रीलंका में आर्थिक संकट दशकों तक अपनाई गई गैर-जिम्मेदाराना मौद्रिक नीति, सिम्बिडी के गलत इस्तेमाल और कुशासन का परिणाम है। ह्यूमन राइट्स वॉच ने यह स्वीकार किया है कि देश जिस मुसीबत में है, उसके बीच आईएमएफ का कर्ज एक लाइफलाइन की तरह है। लेकिन कहा है कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत किसी संकट में पड़े देश की मदद करना सरकारों और वित्तीय संस्थानों का दायित्व है। यह मदद इस रूप में दी जाना चाहिए, जिससे मानवाधिकारों के लिए खतरा पैदा न हो। ऐसी नीतियों को आगे बढ़ाने से बचा जाना चाहिए, जिससे कम आय वर्ग वाले लोगों की जरूरी वस्तुओं और सेवाओं तक पहुंच और

सीमित हो जाए। मानवाधिकार संगठन ने कहा है कि सुधार कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने के लिए इन पर अमल में सिविल सोसायटी और अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठनों को भी भूमिका दी जानी चाहिए। भ्रष्टाचार विरोधी नियमों को लागू करते समय यह आवश्यक सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सरकारी अफसरों और प्राइवेट कारोबारियों को उनके अतीत के गलत कार्यों के लिए उत्तरदायी ठहराया जाए। आईएमएफ के कार्यक्रम में मुख्य ध्यान सरकार का राजस्व बढ़ाने पर है। ह्यूमन राइट्स वॉच ने राय जताई है- जब संकट शुरू हुआ, तो उस समय श्रीलंका का जीडीपी की तुलना में टैक्स का अनुपात 7.3 फीसदी था। इसके 14 फीसदी तक बढ़ने की संभावना है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्यम् समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C मायव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झुंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandhandarsh@sandesh@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

नेपाल में मंत्रिमंडल के विस्तार से खत्म नहीं हुई प्रधानमंत्री दहल की सियासी मुश्किलें

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल ने अपने मंत्रिमंडल का विस्तार तो कर लिया, लेकिन इससे उनकी राजनीतिक मुश्किलों का अंत नहीं हुआ है। मंत्रिमंडल विस्तार में अनदेखी से नाराज एक दल ने सरकार से खुद को अलग करने का एलान किया है, जबकि गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस का एक प्रमुख धड़ अस्तित्व हो गया है।

ने पिछले तीन महीनों में सातवीं बार मंत्रिमंडल में फेरबदल किया है। पिछले महीने नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन में लौटने के बाद दूसरी बार उन्होंने मंत्रिमंडल को आकार दिया है। इसके पहले दहल दिसंबर में पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की कम्युनिस्ट पार्टी अर्थात् नेपाल (यूएमएल) के नेतृत्व वाले गठबंधन की तरफ से प्रधानमंत्री बने थे। जिन नए मंत्रियों को नए राष्ट्रपति

रामचंद्र पौडेल ने शपथ दिलाई, उनमें चार नेपाली कांग्रेस के हैं। नेपाली कांग्रेस मंत्रिमंडल में अपने कोटे के सभी मंत्रियों के नाम नहीं भेज पाई। बताया जाता है कि ऐसा पार्टी के अंदर गहरा मतभेद पैदा हो जाने के कारण हुआ। वरिष्ठ नेता शेरबहादुर कोइराला और पार्टी महासचिव गणेश थापा के नेतृत्व वाला धड़ मंत्रिमंडल विस्तार की प्रक्रिया से नाराज हो गया है।

रामचंद्र पौडेल ने शपथ दिलाई, उनमें चार नेपाली कांग्रेस के हैं। नेपाली कांग्रेस मंत्रिमंडल में अपने कोटे के सभी मंत्रियों के नाम नहीं भेज पाई। बताया जाता है कि ऐसा पार्टी के अंदर गहरा मतभेद पैदा हो जाने के कारण हुआ। वरिष्ठ नेता शेरबहादुर कोइराला और पार्टी महासचिव गणेश थापा के नेतृत्व वाला धड़ मंत्रिमंडल विस्तार की प्रक्रिया से नाराज हो गया है।

रामचंद्र पौडेल ने शपथ दिलाई, उनमें चार नेपाली कांग्रेस के हैं। नेपाली कांग्रेस मंत्रिमंडल में अपने कोटे के सभी मंत्रियों के नाम नहीं भेज पाई। बताया जाता है कि ऐसा पार्टी के अंदर गहरा मतभेद पैदा हो जाने के कारण हुआ। वरिष्ठ नेता शेरबहादुर कोइराला और पार्टी महासचिव गणेश थापा के नेतृत्व वाला धड़ मंत्रिमंडल विस्तार की प्रक्रिया से नाराज हो गया है।